04 - मतदान अनिवार्य करने के लिए विधेयक

05 - संविधान क्यों जलाना चाहते थे डॉ. अम्बेडकर?

A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 26 अप्रैल, 2024

06- दूल्हा-दुल्हन ने दांपत्य जीवन के नए वचनों के साथ लिया लोकसभा निर्वाचन में...

07- कक्षा दसवीं एवं 12वीं में जिला प्रदेश में अव्वल

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 229 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subhahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बीजेपी का चुनावी मुद्दा क्या सचमुच संविधान बदलना है?

रविकान्त

लोकसभा चुनाव से पूर्व नरेंद्र मोदी ने बीजेपी को 370 पार और एनडीए को 400 पार का नारा दिया। इसके बाद भाजपा के तमाम नेता संविधान बदलने की बात कहने लगे। कर्नाटक के पूर्व सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने मोदी के 400 पार नारे का एजेंडा स्पष्ट करते हुए कहा कि संविधान बदलने के लिए दो तिहाई से ज़्यादा बहुमत चाहिए। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी ज्योति मिर्धा ने भी इस बात को दोहराया। विपक्ष ने पुरजोर तरीके से इसका विरोध किया। नरेंद्र मोदी ने 13 अप्रैल को इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर खुद डॉ. आंबेडकर भी आ जाएं तो वे भी संविधान को नहीं बदल सकते हैं। 14 अप्रैल को नरेंद्र मोदी सरकार ने बाबा साहब की जयंती मनाई। लेकिन दोपहर होते-होते अयोध्या से बीजेपी के प्रत्याशी लल्लू सिंह ने भी कहा कि संविधान बदलने के लिए 400 पार चाहिए। फिर मेरठ के भाजपा प्रत्याशी रामायण में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल ने भी लल्लू सिंह के सुर में सुर मिलाकर कहा कि संविधान बदलने की आवश्यकता है। ऐसे में पूछा जाना चाहिए कि बीजेपी का चुनावी मुद्दा क्या संविधान बदलना है?

संविधान निर्माण के दौरान रामराज्य परिषद जैसे हिंदुत्ववादी संगठनों ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. आंबेडकर का जमकर विरोध किया। 26 नवंबर 1949 को संविधान पारित होने के बाद आरएसएस ने खुलकर संविधान का विरोध किया। अपने मुखपत्र ऑर्गेनाइजर के संपादकीय में लिखा कि 'भारत के संविधान में कुछ भी भारतीय नहीं है क्योंकि इसमें मनु की संहिताएं नहीं हैं। इसलिए उन्हें यह संविधान स्वीकार नहीं है।'

लोकतंत्र और संविधान के शासन को आरएसएस और हिंदुत्ववादियों ने कभी मन से स्वीकार नहीं किया। वे हमेशा से भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाकर मनुस्मृति के आधार पर नया संविधान लागू करना चाहते थे। ताकि बाबासाहब के संविधान के ज़रिये सदियों की गुलामी से मुक्त हुए दलितों-वंचितों और महिलाओं को फिर से गुलामी के दलदल में धकेला जा सके। इसीलिए बाबासाहब आंबेडकर ने हिन्दू राष्ट्र के विचार का पुरजोर विरोध करते हुए अपनी किताब 'पाकिस्तान, द पार्टीशन ऑफ़ इंडिया' में लिखा था कि हिन्दू राष्ट्र दलितों-वंचितों के लिए बड़ी आपदा साबित होगा। इसलिए इसे किसी भी क़ीमत पर रोका जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि हिंदुत्ववादी अंग्रेजों से भी ज्यादा क्रूर साबित होंगे। इसीलिए उन्होंने अपने लाखों अनुयायियों के साथ 16 अक्टूबर 1956 को बौद्ध धर्म ग्रहण करके दलितों को हिन्दू धर्म से मुक्ति का मार्ग भी दे दिया। लेकिन 6 दिसम्बर 1956 को असमय मृत्यु के कारण वे बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार नहीं कर सके।

इटली के मार्क्सवादी विचारक एंटोनियो ग्राम्शी ने कहा था कि किसी विचार को ख़त्म करने के चार तरीक़े होते हैं। पहले, उसकी खूब आलोचना की जाए। अगर तर्कों से विचार नहीं खारिज हो तो उस पर हमला किया जाए। उस विचार को मानने वालों पर शारीरिक रूप से हमला किया जाए। अगर इससे भी विचार न खत्म हो तो उसे विकृत किया जाए। अगर विचारों को विकृत करने पर भी मक़सद पूरा न हो तो उसका समाहार कर लेना चाहिए। आंबेडकर ने दलितों-वंचितों को समानता और न्याय का सपना दिखाया। संविधान द्वारा उन्होंने शोषण के विरुद्ध अधिकार प्रदान किए। दलितों को शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण जैसा विशेष अधिकार मिला। असमानता और अन्यायपरक ब्राह्मणवादी व्यवस्था के पोषक आरएसएस और अन्य हिन्दुत्ववादी संगठनों द्वारा इसीलिए डॉ. आंबेडकर को शुरू से ही कलंकित किया गया। 1960 और 70 के दशक में आंबेडकर पर जमकर प्रहार किए गए।

पहली बार भाजपा 1997 में सत्ता में आई। अटल बिहारी वाजपेई ने अन्य दलों के समर्थन के बदले अपने प्रमुख तीन मुद्दे- राम मंदिर, धारा 370 और समान नागरिक संहिता को तात्कालिक तौर पर छोड़ दिया था। लेकिन सत्तानशीं होने के बाद 1998 में अटल बिहारी वाजपेई ने पूर्व न्यायमूर्ति वेंकट चेलैया के नेतृत्व में संविधान समीक्षा आयोग बनाया। हालांकि विरोध के चलते आरएसएस और अटल सरकार के मंसूबे पूरे नहीं हो सके।

डॉ. आंबेडकर ने संविधान सभा के अपने अंतिम भाषण में 25 नवम्बर 1949 को जॉन स्टुअर्ट मिल को उद्धृत करते हुए कहा था कि 'स्वतंत्रता किसी महानायक के चरणों में समर्पित न करें कि वह संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट कर दे।' 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद तमाम संस्थाएं कमजोर कर दी गईं। धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को ताक पर रख दिया गया। संसदीय परंपराओं पर हिंदुत्व के मूल्यों को थोपा जाने लगा। 2017 में अनंत कुमार हेगड़े ने संविधान को बदलने की बात की। सीजेआई से राज्यसभा सांसद बने रंजन गोगोई ने संविधान के मूल ढांचे पर सवाल उठाया। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष रहे बिबेक देबराय ने 15 अगस्त 2023 को लिखा कि अब धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता, न्याय और बंधुत्व जैसे शब्दों का कोई मतलब नहीं है। संविधान औपनिवेशिक विरासत है। इसलिए इसे हटाकर नया संविधान लिखा जाना चाहिए।

लोकसभा चुनावों के बीच भाजपा के तमाम नेता लगातार संविधान बदलने के लिए 400 से अधिक सीटें जीतने की बात कर रहे हैं। विपक्ष संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए चुनाव मैदान में है। संविधान बदलने का मुद्दा भाजपा को बहुत भारी पड़ सकता है। लालू प्रसाद यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता संविधान बदलने वालों की आँखें निकाल लेगी। राहुल गांधी अपनी दोनों यात्राओं के ज़रिए लगातार देश में संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह लड़ाई भी संविधान और लोकतंत्र के ज़रिए लड़ी जा रही है। कांग्रेस का घोषणा पत्र सामाजिक न्याय का संकल्प पत्र है। जातिगत जनगणना से लेकर आरक्षण की सीमा ख़त्म करना, सरकारी नौकरियाँ, बैकलॉग भर्तियाँ, महिलाओं को आरक्षण और ग़रीबों के लिए सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाएँ हैं। अच्छी बात यह है कि इन योजनाओं और वादों के पीछे मेहरबानी नहीं बल्कि लोगों के अधिकारों के तौर पर इन्हें रेखांकित किया गया है। डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि, 'यदि हम संविधान को सुरक्षित रखना चाहते हैं, जिसमें जनता की, जनता के लिए और जनता द्वारा बनाई गई सरकार का सिद्धांत प्रतिष्ठापित किया गया है तो हमें यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि 'हम हमारे रास्ते खड़ी बुराइयों, जिनके कारण लोग जनता द्वारा बनाई गई सरकार के बजाय जनता के लिए बनी सरकार को प्राथमिकता देते हैं, की पहचान करने और उन्हें मिटाने में ढिलाई नहीं करेंगे।' देश की सेवा करने का यही एक रास्ता है। मैं इससे बेहतर रास्ता नहीं जानता।'

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

पीएम मोदी और राहुल के 'चुनावी भाषणों' पर ऐक्शन के मूड में ईसी

भेज दिया नोटिस, चुनावी भाषण को लेकर 29 अप्रैल तक मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आचार संहिता उल्लंघनों का संज्ञान लिया है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने धर्म, जाति, समुदाय या भाषा के आधार पर नफरत और विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया था। ईसीआई ने 29 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक जवाब मांगा है। चुनाव आयोग ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 77 को लागू किया और स्टार प्रचारकों के व्यवहार के लिए पार्टी के अध्यक्षों को जिम्मेदार लेनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी के खिलाफ एमसीसी के आरोपों के उल्लंघन के लिए चुनाव आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से 29 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक जवाब देने के लिए कहा है। कमीशन ने कहा कि ऊंचे पदों पर बैठे लोगों के चुनावी भाषणों का असर ज्यादा गंभीर होता है। पीएम मोदी ने 21 अप्रैल को राजस्थान के बांसवाड़ा में कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों की संपत्ति को ज्यादा बच्चे वालों में बांट देगी। साथ ही पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस के घोषणापत्र में लिखा है कि सरकार बनने पर मां-बहनों के गोल्ड का हिसाब करेंगे और उसकी जानकारी लेंगे। केवल इतना ही नहीं, पीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उस टिप्पणी का भी जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। पीएम मोदी की इस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन से शिकायत की थी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अपनी रैलियों में भाषा और शब्दों के इस्तेमाल को लेकर इलेक्शन कमीशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

कांग्रेस बोली-हमारे मेनिफेस्टो में विरासत टैक्स का जिक्र नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस लीडर जयराम रमेश ने गुरुवार को विरासत टैक्स को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर स्पष्टीकरण दिया। जयराम रमेश प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस मेनिफेस्टो की बुकलेट लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि हमारे घोषणा पत्र में कहीं भी विरासत टैक्स का जिक्र नहीं है। जयराम ने कहा, सच यह है कि 1985 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस विरासत टैक्स को खत्म कर दिया था। हमने कभी भी विरासत टैक्स का जिक्र नहीं किया। अरुण जेटली और जयंत सिन्हा जैसे भाजपा नेताओं ने विरासत टैक्स के पक्ष में वकालत की है। वास्तव में यह हमारा नहीं, भाजपा का एजेंडा है। कांग्रेस नेता ने कहा, प्रधानमंत्री असत्यमेव जयते का प्रतीक हैं। उनका प्रचार झूठ पर आधारित है। वे बोल रहे हैं कि हमारे मेनिफेस्टो में प्रॉपर्टी बांटने का जिक्र है। मैं उन्हें चैलेंज करता हूं कि हमारे 50 पेज के मेनिफेस्टो में एक शब्द भी ऐसा नहीं है जो प्रॉपर्टी बांटने का जिक्र करता हो। जयराम रमेश ने आगे कहा, पीएम मोदी महिलाओं से कहते हैं कि हम उनका मंगलसूत्र छीन लेंगे।

आपको घोषणा पत्र समझाना है, मुलाकात कर लीजिए

● कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लिखा पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र, मांगा समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है और उनसे मुलाकात का वक्त मांगा है। कांग्रेस नेता का कहना है कि वह पीएम मोदी से मिलकर पार्टी का घोषणा पत्र उन्हें समझाना चाहते हैं ताकि वह उसे लेकर कोई ऐसा बयान न दें, जो गलत हो। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर गलत बयान दे रहे हैं और सांप्रदायिक विभाजन की कोशिश की जा रही है। खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पर संसाधनों के पुनर्वितरण और 'विरासत कर' संबंधी आरोप लगाए जाने के बाद यह पत्र लिखा है। प्रधानमंत्री ने हाल की कुछ सभाओं में कई बार यह कहा है कि कांग्रेस लोगों की संपत्तियों को छीनकर 'समुदाय विशेष' के लोगों में बांटना चाहती है। उन्होंने कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के 'विरासत कर' संबंधी बयान को लेकर दावा किया है कि कांग्रेस लोगों की पुश्तैनी संपत्ति को भी हड़पना चाहती है। खरगे ने पत्र में कहा, 'पिछले कुछ दिनों में आपकी भाषा और भाषणों से मैं बिल्कुल भी हैरान नहीं हूं। पहले चरण के चुनाव में भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आपसे और आपकी पार्टी के नेताओं से इस तरह की बातें करने की उम्मीद भी थी।' उन्होंने पत्र में दावा किया कि संदर्भ से हटकर कुछ शब्दों को पकड़ना और फिर सांप्रदायिक विभाजना पैदा करना प्रधानमंत्री की आदत बन गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'आप इस तरह से बातें करके प्रधानमंत्री पद की गरिमा कम कर रहे हैं। जब यह सब (चुनाव) पूरा हो जाएगा तो लोग यह याद रखेंगे कि प्रधानमंत्री ने हार के डर से ऐसा कर रहे हैं।

सुप्रभात

मैं सदियों तक किसी के पांव
की धूल का इंतजार नहीं कर सकती
शापित नहीं हूँ मैं
कोई पाप नहीं किया
मैंने हर बार अवज्ञा की
दीवारों पर पढ़ी
जा सकती है मेरे
दर्द की भाषा
दरवाजों ने जरूर
दर्ज की होगी मेरी चीखें
फर्श पर बिखरी मिल जायेगी
मेरी भूख-प्यास
महल का ऐश्वर्य भी
कहां लुभा सका मुझे
राजसी वस्त्र और आभूषणों
की भी कहां की परवाह मैंने
कहां सोचा कि क्या कहेंगे लोग
लोक- लाज केवल मेरे हिस्से ही क्यों
आनी
क्यों सहूं किसी की मनमानी
जहर दिया तो जहर पिया
लेकिन जीवन जैसा चुना, वैसा ही जिया

- सुभाष राय

मुरैना में पीएम बोले- मोदी 56 इंच का सीना तानकर खड़ा

कहा- इंदिरा की प्रॉपर्टी बचाने के लिए राजीव ने कानून बदला, राहुल फिर लाना चाहते हैं

मुरैना (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दूसरे दिन आज मध्यप्रदेश आए। मोदी ने मुरैना के पुलिस परेड ग्राउंड में भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के समर्थन में सभा की।

पीएम ने कहा- कांग्रेस के शहजादे को देश के प्रधानमंत्री को भला-बुरा कहने में मजा आता है। मैं टीवी और सोशल मीडिया पर देख रहा हूं कि इससे लोग दुखी हो रहे हैं। मैं कहता हूं, दुखी न हों क्योंकि नामदार तो कामदार को हमेशा गाली-गलौज करते आए हैं। पीएम ने कहा- देश कह रहा है, कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। आपके हितों की रक्षा के लिए ये मोदी दीवार बनकर खड़ा है। ये गाली-गलौज इसलिए हो रहा है क्योंकि मोदी 56 इंच का सीना तानकर खड़ा हो गया है। इनके मंसूबे सफल नहीं होंगे ये मोदी की गारंटी है। पीएम ने कहा- कांग्रेस पार्टी विकास विरोधी समस्या है। मुरैना के लोग जानते हैं समस्या से एक बार पीछा छूट जाए तो उसे दूर ही रहना चाहिए। मोदी ने कहा जवानों को हमने खुली छूट दी है। हमने कहा एक गोली चलती है तो 10 गोली चलनीं चाहिए। एक गोला चलता है तो 10 तोपें चलनीं चाहिए।

कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी - पीएम ने कहा- देश कह रहा है, कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। आपके हितों की रक्षा के लिए ये मोदी दीवार बनकर खड़ा है। ये गाली-गलौज इसलिए हो रहा है क्योंकि मोदी 56 इंच का सीना तानकर खड़ा हो गया है। इनके मंसूबे सफल नहीं होंगे ये मोदी की गारंटी है।

कांग्रेस सरकार में आई तो इंहेरिटेंस टैक्स लगाएगी-आज पहली बार देश के सामने एक दिलचस्प तथ्य रख रहा हूं। जब देश की पीएम बहन इंदिराजी नहीं रहीं तो उनकी प्रॉपर्टी जो उनकी संतानों को मिलनी थी, लेकिन पहले कानून था कि उनको मिलने से पहले एक हिस्सा सरकार ले लेती थी।

सियासी चर्चाओं ने पकड़ा जोर, अमेठी और रायबरेली को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर

नामांकन से पहले रामलला का दर्शन कर सकते हैं राहुल और प्रियंका

लखनऊ (एजेंसी)। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 का मुकाबला बेहद रोचक होता जा रहा है। सभी राजनीतिक दलों ने एक-एक सीट जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। यहीं वजह है कि उत्तर प्रदेश की कन्नौज सीट से अखिलेश यादव ने लड़ने का फैसला लिया है। अखिलेश के बाद अब सबकी निगाहें गांधी परिवार पर टिकी हुई हैं। सूत्रों का दावा है कि अमेठी से राहुल गांधी और रायबरेली सीट से प्रियंका गांधी चुनाव लड़ने जा रही हैं। दोनों ही नेता नामांकन से पहले अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन कर सकते हैं। 1 मई को राहुल और 3 मई को प्रियंका गांधी अपना नामांकन कर सकती हैं। दरअसल कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अभी वायनाड चुनाव में व्यस्त हैं। 26 अप्रैल को दूसरे चरण में केरल की वायनाड सीट पर वोटिंग होनी है। राहुल गांधी को इस बार वायनाड सीट पर भी कांटे की टक्कर मिल रही है। दावा किया जा रहा है कि 26 को वोटिंग के बाद राहुल गांधी और उनकी टीम उत्तर प्रदेश की ओर रुख कर सकती है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी कांग्रेस का गढ़ रही अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। साथ ही प्रियंका गांधी के भी रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा है। राहुल और प्रियंका गांधी मई महीने के शुरुआती दिनों में नामांकन कर सकते हैं।

इंदौर में सीएम डॉ. मोहन यादव ने घुमाई गदा

मंच से कांग्रेस को दिया चैलेंज, कहा- दम हो तो कांग्रेस 500 पार का नारा लगाए

इंदौर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस को बड़ा चैलेंज दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में दम है तो वो खुद 500 पार का नारा लगाए। सीएम ने कहा- हम अपने दम पर कह रहे हैं कि अबकी बार 400 पार। कांग्रेस को इस पर आपत्ति है।

सीएम ने कहा- पूरे देश ने संकल्प लिया है, अबकी बार 400 पार। ये कहते हैं 400 का आंकड़ा क्यों लाए? हमने 2014 में भी कहा था और कर के दिखाया। जब हमने 2019 में कहा 300 पार कहा तो वह करके दिखाया। इसलिए अबकी बार पूरे देश का मिजाज देखकर हमारी पार्टी ने, मोदी जी ने तय किया हम हमारे सारे मित्रों के साथ मिलकर 400 पार जाएंगे। अरे, आप में दम हो तो बोलो कि हम 500 पार जाएंगे। सीएम ने कहा- मध्यप्रदेश में जब हम कहते हैं सभी 29 सीटें जीतेंगे तो भी कांग्रेस के नेता कह रहे हैं हम 12 जीतेंगे। इसका मतलब कांग्रेस ने चुनाव के पहले ही हार मान ली। और जो चुनाव के पहले ही हार मान लेता है वो खेलने लायक नहीं रहता है।

सीएम डॉ. मोहन यादव गुरुवार को इंदौर दौरे पर रहे। उन्होंने इंदौर लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी शंकर लालवानी का नामांकन पत्र दाखिल कराया। इससे पहले जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पूरे देश में पीएम मोदी के नाम की आंधी चल रही है। विपक्षी उनके सामने पत्ते की तरह उड़ रहे हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c

न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 26 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

देश के 13 राज्यों की 88 सीटों पर वोटिंग आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव के सेकेंड फेज में शुक्रवार को 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 88 सीटों पर वोटिंग होगी। पहले इस फेज में 89 सीटों पर वोटिंग होनी थी, लेकिन मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर बसपा प्रत्याशी के निधन के बाद इस सीट पर अब 7 मई को चुनाव होंगे। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा को 50 और एनडीए के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में 21 सीटें गईं थीं। अन्य को 9 सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के दूसरे फेज में 1,198 कैंडीडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1,097 पुरुष और 100 महिला उम्मीदवार हैं।

लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड से सम्मानित हुए अमिताभ बच्चन

मुंबई (एजेंसी)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन को बुधवार को लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड से नवाजा गया। मुंबई के दीनानाथ मंगेशकर नाट्यगृह में हुए इस अवॉर्ड फंक्शन में अमिताभ बेटे अभिषेक बच्चन के साथ पहुंचे। यहां बिग बी को इंडियन सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंगेशकर भाई-बहनों में तीसरी सबसे बड़ी बहन सिंगर उषा मंगेशकर ने अमिताभ के यह सम्मान दिया। इससे पहले सिंगर आशा भोसले, अमिताभ को यह अवॉर्ड देने वाली थीं पर उनकी तबियत खराब होने की वजह से वो इवेंट में शामिल नहीं हो पाईं। इस अवॉर्ड सेरेमनी मे एआर रहमान को मास्टर दीनानाथ अवॉर्ड और रणदीप हुड्डा को विशेष पुरस्कार से नवाजा गया।

पटना जंक्शन के सामने होटल में लगी भीषण आग

अब तक 6 लोगों की मौत, 35 का रेस्क्यू

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में जंक्शन के बिल्कुल सामने स्थित बहुमंजिले पाल होटल में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। इस आग ने आसपास के तीन होटलों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 3 महिला और 3 पुरुष हैं। वहीं, कई लोग घायल हुए हैं। उन सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। मृतकों और घायलों की संख्या के बारे में कुछ आधिकारिक बयान भी सामने आए हैं। पटना के सिटी एसपी सेंट्रल ने बताया कि 5 लोगों की इस हादसे में जलकर मौत हुई है। वहीं, 18 लोगों को जली और घायल अवस्था में पीएमसीएच में ले जाया गया है। इनमें से 12 लोगों को तुरंत आईसीयू में भर्ती किया गया है। इनमें से तीन की हालत बेहद ही नाजुक बनी हुई है। जब आग लगने की घटना हुई तो होटल में उस समय कई लोग मौजूद थे।

प्रतिशत और परिणाम से बनेगा मंत्री-विधायकों का रिपोर्ट कार्ड

मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रियों और विधायकों पर भाजपा संगठन की पैनीनजर

अम्बुज माहेश्वरी

भोपाल। लोकसभा चुनाव में मंत्री और विधायकों की सक्रियता और ईमानदारी का आंकलन मतदान प्रतिशत और परिणाम से होगा। प्रदेश भाजपा संगठन इसी फार्मूले को अपनाकर केंद्रीय नेतृत्व के जरिए इनका राजनीतिक भविष्य तय करेगा। पहले चरण के मतदान में कम रहे प्रतिशत ने भाजपा की चिंता कुछ हद तक बढ़ा दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दूसरे चरण के मतदान के पहले भोपाल में गुरुवार को एक गुप्त स्थान पर भाजपा संगठन की महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें मप्र लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि पहले चरण के मतदान में सीधी, शहडोल, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और छिंदवाड़ा सीट शामिल थी। इन छह सीटों का औसत मतदान 67.76 रहा है जो वर्ष 2019 में 71.16 प्रतिशत था। पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में सीधी में सर्वाधिक 13 और छिंदवाड़ा में सबसे कम 2.56 प्रतिशत की कमी मतदान में आई है। प्रदेश में अभी तीन चरणों में 26 अप्रैल फिर 7 मई और आखिरी में 13 मई को मतदान होना है। भाजपा से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इन तीन चरणों में 75 से 77 प्रतिशत मतदान होने पर पूरे प्रदेश में लोकसभा चुनाव का औसत मतदान पिछले चुनाव के औसत से आगे निकल पाएगा। पहले चरण के मतदान ने भाजपा की जो चिंता बढ़ाई है उसे अन्य चरणों में बढ़ाने की पुरजोर कवायद संगठन कर रहा है।

प्रदेश से लेकर पीएमओ तक मॉनिटरिंग

पहले चरण में कम मतदान के विभिन्न कारणों को दुरुस्त कर भाजपा संगठन अगले तीन चरणों में इन्हें कवर करने में जुट गया है। सूत्र बताते हैं कि प्रदेश संगठन से लेकर पीएमओ तक सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। लोकसभा क्षेत्र में आने विधानसभा सीटों से मौजूदा विधायकों मंत्रियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सूत्र बताते हैं कि कई मंत्रियों और विधायकों की निगेटिव रिपोर्ट संगठन को मिली है लेकिन अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया देने के बजाय संगठन ने अगले तीन चरणों के लिए बेहतर करने का मंत्र नेता कार्यकर्ताओं को दिया है हालांकि इशारों में यह भी बता दिया गया है कि चुनाव बाद अपनी कार गुजारियों के परिणाम झेलने भी तैयार रहे।

जिन सीटों पर बढ़ता था मतदान वहां कम हुआ

संगठन की बैठक में एक बात जो प्रमुख रूप से सामने आई है उसमें पहले चरण की वो छह सीट जहां पर प्रदेश के औसत से अधिक मतदान पिछले चुनावों में होता रहा है ये कम कैसे हुआ इसकी चिंता शामिल रही।

उल्लेखनीय है कि आदिवासी बहुल बालाघाट, छिंदवाड़ा, मंडला मतदान के मामले में हमेशा बेहतर रहते थे। वर्ष 2019 के चुनाव में प्रदेश में औसत मतदान 71.16 रहा था तब इन छह सीटों का औसत 75.23 प्रतिशत था। इतना ही नहीं विधानसभा चुनाव में भी मंडला और बालाघाट जिले में आने वाली सिवनी जिले की विधानसभा सीटों पर प्रदेश में सर्वाधिक मतदान हुआ था। दूसरे चरण में टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा, होशंगाबाद और बैतूल लोकसभा के लिए मतदान होना है।

चुनाव बाद होगा मंत्रिमंडल विस्तार

पुष्ट सूत्र बताते हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद मप्र में मंत्रिमंडल विस्तार होगा। संगठन की अपेक्षा पर खरे नहीं उतरने वाले मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया जायेगा तो वहीं मतदान प्रतिशत बढ़ाने से लेकर अपने क्षेत्र में अच्छा परफॉर्म करने वाले विधायकों को इसका पारितोषिक भी मिलेगा। कुछ लोकसभा क्षेत्र के मंत्री विधायकों का भाजपा प्रत्याशियों को सहयोग नहीं मिलने की रिपोर्टिंग प्रदेश संगठन से लेकर केंद्रीय नेतृत्व तक किए जाने की खबरें भी अंदरखाने में चल रही हैं।

आईआईटी-जेईई मेन्स में लड़कों ने किया कमाल

● नतीजे जारी,महाराष्ट्र के नीलकृष्ण बने ऑल इंडिया टॉपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 24 अप्रैल की देर रात तकरीबन 11 बजकर 30 मिनट पर जेईई मेन्स 2024 सेशन 2 का रिजल्ट जारी कर दिया। वे उम्मीदवार जिन्होंने इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए जॉइंट एंट्रेंस टेस्ट मेन्स सेशन-2 दिया था ऑफिशियल वेबसाइट पर अपना स्कोर कार्ड देख सकते हैं। महाराष्ट्र के नीलकृष्ण ने ऑल इंडिया टॉप किया है। वे दो साल से कोटा में तैयारी कर रहे थे। वहीं, महाराष्ट्र के दक्षेस संजय मिश्रा ने दूसरी और हरियाणा के आरव भट्ट ने तीसरी रैंक हासिल की है। इसके अलावा, 100 परसेंटाइल पाने वाले छात्रों में 6 ईडब्ल्यूएस श्रेणी से हैं, जिनमें 4 तेलंगाना व 2 आंध्र प्रदेश के हैं। इस बार अब तक का रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे ज्यादा 56 स्टूडेंट्स ने 100 परसेंटाइल हासिल किया। इनमें कर्नाटक की सानवी जैन और दिल्ली की शायना सिन्हा, दो लड़कियां भी शामिल हैं। पिछली बार 43 स्टूडेंट्स ने 100 परसेंटाइल हासिल किया था। तब सिर्फ एक छात्रा को 100 परसेंटाइल मिला था।

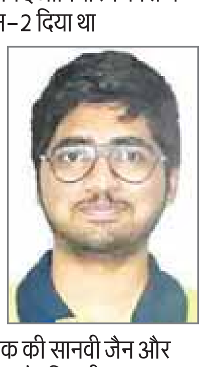

ईडी का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है

दिल्ली शराब घोटालाः वे 9 समन का जवाब देने नहीं आए,सबूतों से पता चला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में दिल्ली शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका का विरोध किया है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में ईडी ने कहा कि कई बार समन भेजे जाने के बावजूद उन्होंने एजेंसी के साथ सहयोग नहीं किया। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नौ बार समन मिलने के बावजूद केजरीवाल पूछताछ से बच रहे थे। उनके इसी रवैए से जांच अधिकारी को गिरफ्तारी की वजह मिली है। साथ ही जांच अधिकारी के पास मौजूद चीजों ने भी यह साबित करने में मदद की है कि वे दोषी हैं। ईडी ने यह भी कहा कि केजरीवाल को किसी दुर्भावना या दूसरे कारणों से गिरफ्तार नहीं किया गया है। किसी अपराध की जांच एक ऐसा क्षेत्र है जो जांच एजेंसी के लिए रिजर्व है। उनकी गिरफ्तारी भी जांच का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल को अरविंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी से 24 अप्रैल तक जवाब मांगा था। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वे फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी है। तलाशी की तारीख पर जब उनसे पूछताछ के दौरान पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) की धारा 17 के तहत उनका बयान दर्ज किया जा रहा था, तब वे सवालों के जवाब देने से बच रहे थे।

संदेशखाली केस में सीबीआई ने दर्ज की पहली एफआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के संदेशखली में जमीन हड़पने और महिलाओं के खिलाफ अपराध (यौन शोषण) से केस में पहली एफआईआर दर्ज की है। इसमें 5 मुख्य आरोपियों के नाम शामिल हैं। हालांकि ये आरोपी कौन हैं, ये सामने नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि ये प्रभावशाली लोग हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को संदेशखाली मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। अपने आदेश में कहा कि सीबीआई कोर्ट की निगरानी में जांच करेगी और रिपोर्ट सौंपेगी। मामले की अगली सुनवाई 2 मई को होगी। संदेशखाली की महिलाओं ने 8 फरवरी को तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर यौन उत्पीड़न और जबरन जमीन कब्जाने का आरोप लगाया था। मामले में 3 आरोपी शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार हिरासत में हैं। आरोपी शाहजहां शेख संदेशखाली में कहां से आया, ये कोई नहीं जानता। 2000-2001 में वो मत्स्य केंद्र में मजदूर था। वह भी सब्जी भी बेचता था।

आगरा रैली में बोले प्रधानमंत्री मोदी, मुस्लिम आरक्षण पर भी की साफ बात

कांग्रेस अब विरासत टैक्स लगाने की कर रही है तैयारी

● बाबासाहेब के अपमान का आरोप,कहा-बिना भेदभाव विकास मोदी की गारंटी

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा में पीएम नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव को लेकर एक बड़ी रैली को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार पर लगातार कार्रवाई चल रही है। भ्रष्टाचारियों से पैसा वापस लौटाया जा रहा है। मैं सोच रहा हूं कि भ्रष्टाचारियों से आया पैसा जनता को लौटा दूं। लोकसभा चुनाव 2014 में भी पीएम मोदी ने कुछ इसी प्रकार का वादा किया था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विरोध में बौखला गए हैं। भारत के लोगों की शक्ति विपक्ष को पसंद नहीं है। विपक्ष वोट बैंक की राजनीति कर रहा है। बिना भेदभाव सबको योजनाओं का लाभ दिया गया है। बिना भेदभाव के विकास मोदी की गारंटी है। हम तुष्टीकरण की राजनीति नहीं करते हैं। विपक्ष पर करारा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर हम आरक्षण नहीं देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस लोगों से आरक्षण छीनने का षड्यंत्र कर रही है।

मुरैना में तीन लोगों को लगा करंट, दो की मौत,धार में कुंड में डूबने से दो बच्चों की मौत

मुरैना (नप्र)। मुरैना में करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल है। हादसा गुरुवार दोपहर 3 बजे इमलिया गांव में हुआ। यहां संजीव शर्मा के यहां गृह प्रवेश का कार्यक्रम चल रहा था। इसमें टेंट भी लगाया गया था। वहीं धार जिले में धामनोद के ग्राम धरमपुरी में स्थित खुज नदी के कुंड में नहाने के दौरान दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई।

ओलेक्ट्रा को दस हजार इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर

हैद्राबाद/भोपाल। इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति करने वाली कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने अपने वार्षिक वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी को वित्तीय वर्ष 23-24 में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कुल 8,232 ऑर्डर मिले। इस साल की चौथी तिमाही में कंपनी ने देश में 10,000 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर हासिल करने का मील का पत्थर पार कर लिया है। कंपनी अब तक 1,746 इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति कर चुकी है। इसमे चौथी तिमाही में 131 इलेक्ट्रिक वाहन शामिल थे। अब तक कुल बस की मांग 10,969 है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक केवी प्रदीप ने कहा है कि हम अपनी निर्माण क्षमता और प्रौद्योगिकी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कंपनी ने 24 फरवरी से नई सीतारामपुर फैक्ट्री में आंशिक उत्पादन शुरू कर दिया है और इन बसों की पहली खेप की डिलीवरी हो चुकी है।

9 साल की बच्ची से रेप के बाद गला घोंटा

रीवा में आक्रोशित लोगों ने किया चक्काजाम; आंगन में मिली थी लाश

रीवा (नप्र)। रीवा में 9 साल की बच्ची की रेप के बाद गला घोंटकर हत्या के विरोध में गुरुवार को चक्काजाम कर दिया गया। परिवार और बच्ची के मोहल्ले के लोग जवा चौराहे पर शव रखकर बैठ गए। बच्ची के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिवार को सौंपा गया था। परिवार और लोगों की मांग है कि आरोपी को जल्द पकड़ा जाए। पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। दोपहर 12 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक प्रदर्शन चला। पुलिस ने बताया कि संदेहियों से पूछताछ की जा रही है। एफएसएल टीम ने भी जांच की है। एएसपी विवेक कुमार लाल का कहना है कि घटना का खुलासा जल्द हो जाएगा। संभवतः आरोपी कोई परिचित का व्यक्ति है, इसलिए दुष्कृत्य करने के बाद बच्ची की हत्या कर दी।

स्ट्रीट डॉग को नाले में डुबो-डुबोकर मार डाला

जबलपुर में पैर बांधकर घसीटा; लोगों से बोला- 50 रु. लेकर पुलिस छोड़ देगी

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में एक युवक ने स्ट्रीट डॉग को बेदर्दी से मार डाला। उसने पहले तो सड़क पर घूम रहे कुत्ते को पकड़ा, फिर रस्सी से चारों पैर बांध दिए, इसके बाद नाले तक घसीटता हुआ ले गया। कुत्ते को पानी में बार-बार तब तक डुबोया, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। इसके बाद घसीटते हुए सड़क किनारे फेंक दिया।

घटना 22 अप्रैल की रात 10 बजे की है। लोग आरोपी से बात करने उसके घर पहुंचे। आरोपी धमकाते हुए बोला पुलिस 50 रुपए लेकर उसे छोड़ देगी। उसने अपने दोस्त को कॉल लगाकर बुला लिया। दोस्त ने लोगों धमकाया। कहा कि जाकर शिकायत टीआई से कर दो, हमने मार डाला है।

दो दिन बाद गुरुवार सुबह 4 बजे मॉर्निंग वॉक के लिए निकले स्थानीय लोग एकजुट होकर विजयनगर थाने पहुंचे। पुलिस को वीडियो देकर शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी मोहित लखेरा उर्फ सोनू शहर के नब्बे क्वार्टर का रहने वाला है। वीडियो किसी राहगीर ने बनाया था।

आरोपी बोला- मेरी इच्छा हुई, इसलिए मार डाला

नब्बे क्वार्टर में रहने वाले प्रलव पचौरी ने पुलिस में शिकायत करते हुए बताया कि पड़ोस में रहने वाले कुछ लोग जब आरोपी सोनू के घर बात करने पहुंचे तो वह भड़क गया। बोला कि मेरी इच्छा हुई, इसलिए मार डाला।

एमवीएम में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

भोपाल। शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय में इनटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एवं रिसर्च मेथेडोलोजी पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह रघुवंशी, सह संरक्षक डॉ. गीता मोदी, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. आरएस रघुवंशी, सेमिनार संयोजक. डॉ. गीता परयानी के मार्गदर्शन में हुआ। अतिथियों का स्वागत डॉ. प्रियंका राज द्वारा किया गया। आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. आरएस रघुवंशी एवं संयोजक डॉ. गीता परयानी ने सेमिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र का संचालन डॉ. चंद्रभान मकोड़े एवं प्रो. प्रियंका ओनकर द्वारा किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी मे प्रथम प्रवक्ता के रूप अर्पित जैन पेटेंट डिज़ाइन के सहायक नियंत्रक पेटेंट कार्यालय, दिल्ली ने आईपीआर विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया को विस्तार से बताया। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल की डॉ कल्पना मस्की ने रिसर्च की विभिन मेथड्स को विस्तार से समझाया। तृतीय सत्र में रिटायर्ड प्रोफेसर, आईईएचई, भोपाल डॉ. सरिता श्रीवास्तव ने रिसर्च पेपर कैसे लिखे विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस सेमिनार में रसायन शास्त्र की प्रो. डॉ. नीलम दुबे ने एक नई छात्रवृत्ति श्री विनय कुमार शुक्ला स्मृति मेरिट छात्रवृत्ति की शुरूआत की। यह छात्रवृत्ति रसायन शास्त्र की छात्रा रीतू माहोड़ी को प्रदान की गई। सहायक प्राध्यापक भूगर्भ-शास्त्र डॉ. प्रियंका ओनकर को यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड के लिए सम्मानित होने के लिये महाविद्यालय की और से प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। आभार प्रदर्शन डॉ. सुषमा दुराफे द्वारा किया गया। सेमीनार मे डॉ. शुभ्रा त्रिपाठी, प्रो. एस.एच. रज़ा, डॉ. उमा शंकर पटले, डॉ. मनीषा सिंह, डॉ. अल्पना तिवारी, डॉ शोभना भट्ट, डॉ उमा व्यास, डॉ रश्मि व्यास, डॉ मोना वर्मा, डॉ सुरभि श्रीवास्तव, डॉ रितेश सिंघारे उपस्थित रहे।

प्राकृतिक आपदा

चीनी सीमा को जोड़ने वाला हाईवे बह गया, संपर्क टूटा

अरुणाचल में बारिश और लैंडस्लाइड से भारी तबाही

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन हुआ है। तूफान और बारिश की वजह से से राज्य का दिबांग वैली जिला पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया है। इसमें नेशनल हाइवे 33 का हिस्सा बह गया है। यह जिला शेष भारत को इस हाईवे के माध्यम से जोड़ता था। ऐसे में अब चीन सीमा से सटे जिले को लेकर चिंता बढ़ रही है। दिबांग घाटी चीन से सटा हुआ इलाका है और रणनीतिक रूप से भी काफी महत्व रखता है। अथॉरिटीज का कहना है कि हाईवे के टूट जाने की वजह से काफी नुकसान हुआ है और इससे आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है। फिलहाल नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमें कॉरपोरेशन लिमिटेड ने टीम को भेजा है ताकि हाईवे जल्द से जल्द दोबारा शुरू हो सके। अधिकारियों ने मौके पर सभी जरूरी चीजें भेजी गई हैं। मौके पर खाने के सामान समेत तमाम चीजों की आपूर्ति हो रही है और किसी भी चीज को कोई कमी नहीं है। दरअसल हाईवे का कट जाना इसलिए भी चिंता का सबब बना हुआ क्योंकि यह जिले के लोगों और भारतीय सेना के लिए लाइफलाइन से कम नहीं है। चीन से लगते बार्डर तक पहुंचने के लिए सेना इसी रास्ते का इस्तेमाल करती है। चीन और भारत के बीच अरुणाचल प्रदेश को लेकर कूटनीतिक तनाव बना हुआ है। बीजिंग ने हाल ही में राज्य के कई जिलों का नाम बदला था। हालांकि, भारत ने उसके नाम बदलने वाले बयान को सिरे से खारिज कर दिया था। राज्य सरकार ने हाईवे को नुकसान होने के बाद एक एडवाइजरी जारी की है और लोगों से तीन दिन तक यहां से ना गुजरने की सलाह दी है। अथॉरिटीज का कहना है कि हाईवे को सही करने में कुछ दिन का समय लग सकता है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर कर लिखा कि हुनली और अनिनी के बीच हाईवे को हुए नुकसान की वजह से यात्रियों को होने वाली असुविधा के बारे में जानकर परेशान हूं। जल्द से जल्द कनेक्टिविटी बहाल करने के निर्देश जारी किए गए हैं क्योंकि यह सड़क दिबांग घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ती है। सीएम ने प्राकृतिक आपदा पर नजर बनाए रखने के लिए पीएमओ को भी टैग किया है।

बैलेट यूनिट में अरुण पहले, आलोक दूसरे नंबर पर

• भोपाल में 22 कैंडिडेट्स मैदान में; चुनाव चिह्न बांसुरी, ऑटो, टॉर्च-एसी भी मिले

भोपाल (नप्र)। भोपाल लोकसभा सीट से कुल 22 उम्मीदवार मैदान में है। ऐसे में 2 बैलेट यूनिट यानी, बीयू लगेगी। इसलिए कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने चुनाव आयोग को लेटर लिखकर अतिरिक्त बीयू की मांग की है। इधर, सभी उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न भी मिल चुके हैं। वहीं, बीयू में इनका क्रम भी तय किया गया है। बैलेट यूनिट में कांग्रेस कैंडिडेट अरुण श्रीवास्तव पहले, बीजेपी के आलोक शर्मा दूसरे और बसपा के भानुप्रताप सिंह यादव तीसरे नंबर पर है। इन्हें चुनाव चिह्न क्रमशः हाथ का पंजा, कमल का फूल और हाथी मिला है। वहीं, अन्य पार्टी और निर्दलीय कैंडिडेट्स को भी चुनाव चिह्न दिए गए हैं।

अतिरिक्त बीयू के लिए पत्र भी लिखा

पिछले लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार अधिक होने से 2 बीयू यानी बैलेट यूनिट लगी थी। इस बार भी 22 कैंडिडेट होने से दो बीयू लगाई जाएगी। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी सिंह ने अतिरिक्त बीयू के लिए चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। करीब एक हजार बीयू मांगी गई है। डेढ़ हजार अतिरिक्त बीयू जिला प्रशासन के पास पहले से है।

जीएमसी भोपाल में स्वागत एवं विदाई समारोह आयोजित

• चिकित्सा शिक्षा कर्मचारी समिति ने डॉ. कविता का किया स्वागत व डॉ. सलील को दी विदाई

भोपाल (नप्र)। चिकित्सा शिक्षा कर्मचारी कल्याण समिति भोपाल ने बुधवार को स्वागत एवं विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता एन सिंह का भव्य स्वागत किया। वहीं निवर्तमान डीन भोपाल डॉ. सलील भार्गव को भावभीनी विदाई दी। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समिति अध्यक्ष राजन नायर ने बताया कि इस कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, कोषाध्यक्ष रवि गतखने, सचिव बिल्लोरे और जिलाध्यक्ष सर्वेश जोशी ने मेडिकल की स्टाफ लीला नलवंशी, मरियम सोनी, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य, लैब टेक्नीशियन आकाश सिंह लोधी, मनीष शर्मा, श्रुति वर्मा, अलकेंद्र, हेमेंद्र शर्मा, कोष्ठा, रवि जैन, विकाश चढ़ार, मांगीलाल, शिव कुमार, निजामुद्दीन आदि के साथ डीन डॉ कविता सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। इस मौके पर मेडिकल कॉलेज के सभी विभागों का स्टाफ भी उपस्थित रहा।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने पिया फिनायल

• दोनों ने लव मैरिज की थी, एक माह भी नहीं हुआ पूरा

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी शहर के फतेहपुर क्षेत्र के गणेश कालोनी में आज एक पति ने अपनी पत्नी से हुए झगड़े के बाद फिनायल पीकर सुसाइड करने का प्रयास किया। युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल चौकी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि युवक ने युवती से इंटर कास्ट शादी रचाई थी। इसके बाद वह अपनी पत्नी के साथ किराए के मकान में रहने लगा था। शादी को अभी एक माह भी पूरा नहीं हुआ था। जानकारी के मुताबिक फतेहपुर क्षेत्र के गणेश कालोनी के रहने बाले 21 साल के शक्ति धाकड़ पुत्र महेश धाकड़ ने छोटा लुहारपुरा की रहने वाली 19 साल की युवती के साथ 28 मार्च को लव मैरिज कर ली थी।

भोपाल में फेरीवाले और चायवाले के बेटे ने किया टॉप, बोले-

पिता ही मेरी असल प्रेरणा; 12वीं की मेरिट में शहर के 13 स्टूडेंट्स ने बनाई जगह

भोपाल (नप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड ने 10वीं-12वीं के रिजल्ट घोषित कर दिए हैं। बारहवीं की मेरिट लिस्ट में कुल 132 छात्र हैं। इनमें में भोपाल के 13 छात्रों ने मेरिट में जगह बनाई है। यह छात्र 6 अलग-अलग संकायों से हैं। इसमें गणित, कॉमर्स, बायोलॉजी, आर्ट और होम साइंस शामिल हैं। मीडिया ने इन टॉपर्स से बात की, और जाना कि किस तरह से इन्होंने यह सफलता पाई।

5वां स्थान पाने वाले गौतम ने कहा मेरी सफलता का मंत्र मेहनत

वाणिज्य (कॉमर्स) संकाय में प्रदेश में 5वां स्थान हासिल करने वाले गौतम बागरी भोपाल के सुभाष हाई स्कूल के छात्र हैं। उन्होंने कॉमर्स ग्रुप में 479 अंकों के साथ पांचवां स्थान पाया है। उन्होंने बताया कि बताया कि मेरे पिता जयेश बागरी एक फेरीवाले हैं। वे ठेले पर कपड़े बेचते हैं। मैं स्कूल और कोचिंग के टीचर्स के गाइडेंस अनुशासन के साथ फॉलो करता था। इस दौरान मैंने कई बार सिलेबस को पढ़कर खत्म किया। इसका फायदा यह हुआ कि मुझे कई बार रिवीजन करने का मौका मिला। एग्जाम के समय में 6-7 घंटे पढ़ाई करता था। मेरी सफलता का मंत्र मेहनत ही है। फिलहाल मैं आगे चलकर चार्टर्ड अकाउंटेड बनना चाहता हूं। मैं पढ़ाई के दौरान मैं उन टॉपिक्स को पहले पढ़ता था, जो काफी इंटरेस्टिंग होते थे। ताकि पढ़ने में रुचि बनी रहे। बोरियत होने पर टीवी या फिर यूट्यूब पर कुछ मजेदार वीडियोज देखता था। इसके अलावा अगले साल जो बच्चे इस विषय से एग्जाम देंगे उन्हें बस में यहीं कहना चाहूंगा कि जरूरी नहीं कि आपको 8-9 घंटे पढ़ाई करना है। आप बस अपने कॉन्सेप्ट क्लियर करते जाए। टीचर्स की गाइडेंस को ठीक से फॉलो करते जाए। गौतम के पिता अपने बेटे की सफलता पर उन्होंने कहा कि परिवार में खुशी का माहौल है।

पिता चलाते हैं चाय की दुकान, कहा- वे ही मेरे मोटिवेशन: भोपाल के सुभाष स्कूल में पढ़ने

वाले प्रशांत राजपूत ने मैथ-साइंस समूह में 484 नंबर पाए हैं। उन्हें कला संकाय में 9वां स्थान मिला। उनका कहना है कि मेरे पिताजी लीला किशन राजपूत की चाय की दुकान कोलार पर है। वे ग्लास धोते हैं, चाय बनाते हैं। मैं रोज सुबह एक घंटे उनकी मदद के लिए जाया करता था। मेरे पिता ही मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा मोटिवेशन है। 11वीं के बाद बाद समर वेकेशन मिलता है। इसे मैंने बिल्कुल भी खराब नहीं किया। मैं रोजाना 3 से 4 घंटे पढ़ाई करता था। इस दौरान मैंने सेल्फ स्टडी की।

रोज दिया करता था अपने आपको टारगेट

प्रशांत ने बताया कि मैं एग्जाम के आखिरी 45 दिनों में रोजाना एक शेड्यूल फॉलो किया। मैं तय करता था कि किस दिन क्या पढ़ना है। मोबाइल या टीवी तभी देखता था, जब उस दिन की पढ़ाई पूरी हो जाए। यानी अगर अगर मैंने पढ़ लिया तो ही फोन चलाऊंगा और थोड़ा बहुत सोशल मीडिया देखूंगा। इसके अलावा पापा और मम्मी का बहुत योगदान रहा है। हमारा छोटा सा घर है, तो पिता ने किचन तोड़कर मेरे लिए एक कमरा अलग बनाया है। जिससे की मैं आसानी से पढ़ाई कर सकूं। मैं बस यही कहूंगा कि कम पढ़ो मगर रोज पढ़ो। कंसिस्टेंसी के साथ नोट्स भी बनाओ आप जरूर सफल होंगे। प्रशांत राजपूत का कहना है कि मैं मोबाइल या टीवी तभी देखता था, जब उस दिन की पढ़ाई पूरी हो जाए।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की बेटी ने किया टॉप, अब बनना है आईएएस

भोपाल के सुभाष स्कूल में पढ़ने वाली बबली मीना ने कला समूह में 478 नंबर पाए हैं। उन्होंने कला संकाय में 9वां स्थान पाया है। उन्होंने बताया कि मेरे पिता नहीं है। मेरी मां चिंता मीना एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। मैं अपने इस रिजल्ट का श्रेय अपने टीचर्स के अलावा अपने परिवार को देना चाहूंगी। मैं एनसीईआरटी की बुक्स की रीडिंग करती थी। इसके अलावा मॉर्निंग में अधिक पढ़ाई पसंद करती हूं क्योंकि इस समय माइंड बहुत फ्रेश रहता है, हॉस्टल में रहते थे तो रोजाना 6 घंटे या उससे अधिक पढ़ाई करती हूं।

म्यूजिक और योगा करता है मोटिवेट

बबली ने बताया कि कई बार एग्जाम टाइम में नींद नहीं आती है तो मैं इसके लिए म्यूजिक सुन लेती हूं। इसके अलावा योगा करती हूं। यह हमेशा मुझे मोटिवेट करता है, म्यूजिक में खास तौर पर भजन और मल्टी नेशनल सॉन्ग सुनती हूं। इसी बीच थोड़ा बहुत सोशल मीडिया भी मैं देखा करती थी। हालांकि बहुत ज्यादा मोबाइल पर समय खर्च नहीं करती हूं। थोड़ा बहुत ही यूज करती हूं। सवाल भूल जाने वाले सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं बहुत अधिक रीड करती हूं। इससे आसानी कोई जवाब एग्जाम में भूलती नहीं हूं। आगे मैं यूपीएससी करना चाहती हूं। अब मुझे आईएएस बनना है। बबली मीना ने बताया कि मैं बहुत अधिक रीड करती हूं। इससे आसानी कोई जवाब एग्जाम में भूलती नहीं हूं।

माइंड फ्रेश करने के लिए सुनती थी म्यूजिक-कनिष्का दुबे

भोपाल की रहने वाली कनिष्का दुबे ने 12वीं में कला समूह से प्रदेश में 10वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने 477 मार्क अर्जित किए हैं। कनिष्का ने बताया कि उनके पिता विजय कुमार दुबे बिजनेसमैन हैं, और उनकी मां मिथलेस दुबे मेडिकल काउंसिल में जॉब करती है। कनिष्का का कहना है कि 11वीं की परीक्षा के बाद समर वेकेशन में ही 12वीं की तैयारी शुरू कर दी थी। एनसीईआरटी की किताबें एमपी बोर्ड की परीक्षा में काफी हेल्पफुल होती है। उन्होंने आगे जो छात्र बारहवीं की पढ़ाई करेंगे तो उनके लिए कहा कि उन्हें एनसीईआरटी को काफी ध्यान से पढ़ना चाहिए। मैं नॉर्मल दिनों में रोजाना 2 घंटे पढ़ाई करती थी। परीक्षा के 2 महीने पहले मैंने 4 घंटे पढ़ना शुरू कर दिया था। इस दौरान मैंने सोशल मीडिया से दूरी बना ली थी। पढ़ाई के दौरान जब माइंड फ्रेश करना होता था। तब म्यूजिक मेरे लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद रहा। अपनी सफलता पर कनिष्का ने भगवान और अपने माता-पिता दोस्तों को धन्यवाद दिया। साथ अपनी सफलता के मंत्र को कंसिस्टेंसी व निरंतरता को बताया है।

पीएम मोदी का मुरैना दौरा, जयराम रमेश ने पूछे 3 सवाल

मुरैना बिजली चोरी की राजधानी क्यों बना, आर्मी भर्ती के वादों का क्या हुआ

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुरैना में चुनावी सभा की। पीएम के दौरे से पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर पीएम मोदी से 3 सवाल पूछने के साथ मुरैना में भाजपा सरकार द्वारा किए गए वादों को भी याद दिलाया है। इस महीने (अप्रैल) में पीएम का ये छठवां एमपी दौरा है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में कहा- तत्कालीन रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2018 में मुरैना का दौरा किया था। उन्होंने वादा किया था कि एक या दो साल के भीतर वहां एक सैनिक स्कूल स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहानियां सुनाई कि कैसे, जब भी वह देश भर की सीमा चौकियों पर जाती हैं, तो उन्हें भिंड-मुरैना के सबसे अधिक सैनिक वहां तैनात मिलते हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल से मुरैना के शिक्षित युवा सेना में अधिकारी बनकर देश की सेवा कर सकेंगे। उसी कार्यक्रम में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा था कि वे भिंड-मुरैना क्षेत्र में सेना का स्थानीय भर्ती कार्यालय स्थापित करेंगे। छह साल बाद, इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ है। इसके बजाय, अग्निपथ के माध्यम से, मोदी सरकार ने सशस्त्र बलों की पवित्रता और भिंड-मुरैना के हज़ारों महत्वाकांक्षी युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर दिया है। निर्मला सीतारमण के जोशीले वादों का क्या हुआ? उनलोगों ने मध्य प्रदेश के युवाओं के साथ विश्वासघात क्यों किया है?

स्वच्छ भारत मिशन आदिवासी बस्तियों में नाकाम रहा

जयराम रमेश ने लिखा- मोदी सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) ने मध्य प्रदेश के ग्रामीण हिस्सों, विशेष रूप से आदिवासी बस्तियों में नाकाम रहा है। 2020 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 4.5 लाख शौचालय गायब पाए गए, और बजट से 540 करोड़ रुपए सरकारी अधिकारियों द्वारा निकाल लिए गए थे। जबकि जल और स्वच्छता विभाग का दावा है कि जिन 99.6 प्रतिशत घरों में शौचालय की सुविधा थी, उनके पास बहते पानी की भी सुविधा थी, लेकिन ज़मीनी हक़ीक़त बिलकुल अलग तस्वीर पेश करती है। शौचालय बिना सेप्टिक गड्ढों के बनाए गए हैं,

और कई गांवों में पानी की कमी शौचालय के नियमित उपयोग में एक बड़ी बाधा रही है। पानी की उपलब्धता में गिरावट आई है। उदाहरण के लिए, शिवपुरी में, लगभग 500 गांव ऐसे हैं जो फरवरी तक ही अपने वर्ष की 50 प्रतिशत जल आपूर्ति समाप्त कर देते हैं। क्या स्वच्छ भारत और हर घर जल के बड़े-बड़े वादे भी सिर्फ जुमले थे?

बिजली बिल के हीटरों पर धारा 144 क्यों लगानी पड़ी

जयराम रमेश ने अपने ट्वीट में आगे लिखा- मुरैना जिले को देश का एकमात्र ऐसा जिला होने का नकारात्मक गौरव प्राप्त है जहां विशेष प्रकार के बिजली के तारों और बिजली के हीटरों पर धारा 144 लागू की गई है। कलेक्टर कार्यालय को यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि लोग इन तारों और हीटर के हिस्सों का उपयोग बिजली चोरी करने के लिए कर रहे हैं। मुरैना को हर माह 110 करोड़ रुपए की बिजली सप्लाई की जाती है, लेकिन बिजली कंपनी को सिर्फ 38 करोड़ रुपए का ही भुगतान होता है। इसमें भी 28 करोड़ रुपया उद्योगों से प्राप्त होता है, यानी मुरैना में 85 फीसदी से अधिक बिजली चोरी हो रही है। ज़िले में अधिकांश लोगों के पास अस्थायी कनेक्शन पर भरोसा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जो तरह-तरह की बिजली की समस्याओं और ट्रांसफार्मर विस्फोट के लिए भी जिम्मेदार हैं।

घर में पानी के टैंक में मिले मां-बेटी के शव

• राजगढ़ में देवर घर लौटा तो देखी लाश; हादसा, हत्या या खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

राजगढ़ (नप्र)। राजगढ़ में मां-बेटी की घर में ही बने पानी के टैंक में लाश मिली है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। ये घटना हादसा है या हत्या या फिर खुदकुशी, अभी इसका खुलासा नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। घटना बुधवार की खिलचीपुर से करीब 15 किलोमीटर दूर दोबड़ा गांव की है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त मृतक पूजा शर्मा (उम्र-30 साल) और बेटी प्रियांशी शर्मा (उम्र- ढाई साल) घर पर अकेले थे। पति महेन्द्र शर्मा किसी पेशेंट को लेकर राजस्थान के झालावाड़ गया था। सास शांता गांव में ही किसी शादी समारोह में गई थी। देवर सुरेंद्र किराना सामान लाने के लिए जीरापुर गया था।

देवर घर लौटा तो घटना का पता चला

पूजा के देवर सुरेंद्र शर्मा ने बताया- जब मैं शाम करीब 5 बजे घर लौटा तो आंगन में बने टैंक का ढक्कन खुला मिला। हाथ-पैर धोने के लिए पानी लेने में बाल्टी लेकर टैंक के पास पहुंचा। मुझे टैंक में भाभी पूजा शव पानी में उतराता दिखा। ये देखकर मैं चीख पड़ा। मैंने आवाज लगाकर दोस्तों को बुलाया और शव को बाहर निकाला। सुरेंद्र ने बताया कि भाभी का शव मिलने के बाद घर में ढाई साल की भतीजी प्रियांशी की खोजबीन की

गई। लेकिन वो नहीं मिली तो शंका के आधार पर टॉर्च ऑन कर टैंक में देखा तो बच्ची भी टैंक में डूबी हुई थी। उसे भी बाहर निकाला। शुरुआती जानकारी के मुताबिक राजस्थान के कोटा की रहने वाली पूजा की शादी 11 दिसंबर 2020 को दोबड़ा गांव में महेंद्र शर्मा से हुई थी। इनकी बेटी प्रियांशी ढाई साल की थी। पूजा के ससुर जगदीश शर्मा भोपाल में एक निजी कंपनी में मैनेजर है। उनकी पत्नी शांता, दोनों बेटे महेंद्र और सुरेंद्र गांव में ही रहते हैं। दोनों भाई एक किराना दुकान चलाते हैं। पूजा का पति महेंद्र टैक्सी भी चलाता है।

तीन बिंदुओं पर जांच करेगी पुलिस

इस मामले में भोजपुर पुलिस जांच कर रही है। सूत्रों की माने तो पुलिस तीन बिंदुओं पर इन्वेस्टिगेशन कर रही है। इस मामले में ये तीन आशंकाएं व्यक्त की जा रही है।

ममता मीणा ने दिग्विजय के बेटे जयवर्धन को दिया चैलेंज

• बोलीं- पूर्व सीएम के बेटे से हमारा कॉम्पिटिशन, राघौगढ़ को चाचौड़ा से पीछे छोड़ देंगे

भोपाल (नप्र)। बीते विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़ आम आदमी पार्टी में शामिल हुई पूर्व विधायक ममता मीणा इंडी गठबंधन के तहत राजगढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह का प्रचार कर रही हैं। रविवार को चुनाव प्रचार के दौरान ममता ने दिग्विजय के सामने ही उनके विधायक बेटे जयवर्धन सिंह को चैलेंज कर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने कभी खुद के साथ काम करने वाले भाजपा प्रत्याशी पर जमकर भड़ास निकाली। रविवार को हुई चुनावी सभा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, गुना जिले की चांचौड़ा से बीजेपी की

विधायक रहीं ममता मीणा, राजगढ़ कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह का प्रचार करने चाचौड़ा विधानसभा क्षेत्र के अजगरी गांव पहुंची थीं। यहां सभा में दिग्विजय भी मौजूद थे। जनसभा में ममता मीणा ने कहा- राजा साहब (दिग्विजय सिंह) से एक चीज कहना चाहती हूं। आपके जो सुपुत्र विधायक हैं, वो यहां आए नहीं, मैं उनसे कहती कि हमारा कॉम्पिटिशन तो आपसे भी है। हम तो चाचौड़ा को एक नंबर पर लाएंगे और राघौगढ़ को भी पीछे छोड़ देंगे। पूरे मप्र में चाचौड़ा एक नंबर पर आना चाहिए।

सांसद रोडमल ने खुद का विकास किया: पूर्व विधायक ममता मीणा ने कहा, मैं रोडमल नागर (भाजपा प्रत्याशी) से पूछना चाहती हूं कि चाचौड़ा विधानसभा के लिए क्या किया? कौन सी बड़ी योजना लेकर आए? जब मैं विधायक थी, मेरे कार्यकाल में काम मंजूर हुए थे, रोडमल नागर ये नहीं बता सकते कि वो सभी काम मैंने कराए।

रोडमल अपने कार्यकर्ताओं को ही नहीं पहचानते

ममता मीणा ने कहा, जो सुख-दुख में हमारे बीच में 10 साल में कभी एक बार नहीं आया। अरे भैया, बेटे की शादी रोज नहीं होती, बेटी की शादी रोज नहीं होती। हमारे घर में अगर किसी की मौत होती है तो वह रोज थोड़ी मरते हैं। सुख-दुख के क्षण में किसी कार्यकर्ता के पास आए हो तो बताएं। अगर किसी मीटिंग में किसी ने कुछ पूछ लिया तो 50 लोगों के सामने ऐसा बुरा डांटते हैं कि उसकी शक्ल देखने लायक होती है। ऐसे तो कोई एसपी सिपाही को नहीं डांटता है। इससे भी ज्यादा बुरी स्थिति होती है।

ईवीएम में गड़बड़ी न हो, कार्यकर्ता इसकी चिंता करें: ममता ने दिग्विजय सिंह की तरफ देखकर कहा, हमारे चाचौड़ा क्षेत्र के पटेल और जो हमारे क्षेत्र के लोग हैं। इनमें एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं है, जिनको आप नहीं जानते हैं। रोडमल नागर 10 साल में अपने कार्यकर्ताओं को नहीं जान पाए, गांव के पटेल को क्या जानेंगे? आप इधर-उधर की किसी की मत सुनो।

संपादकीय

यूपीएससी : मप्र का बढ़ता ग्राफ

देश की अत्यंत प्रतिष्ठित और कठिन प्रतियोगी परीक्षा यूपीएससी में मप्र से 31 प्रतियोगी का चयन सफलता के बढ़ते ग्राफ की निशानी है। इनमें से भी 7 का चयन आईएएस के लिए हुआ है। इस परीक्षा में देश भर से कुल 1016 प्रतियोगी उत्तीर्ण हुए हैं। मप्र से भोपाल के अयान जैन ऑल इंडिया में 16 वें स्थान पर रहे हैं। मप्र से चयनित अभ्यर्थियों में से अधिकांश मप्र मूल के हैं। सफल अभ्यर्थियों में सबसे ज्यादा भोपाल से 12 अभ्यर्थी हैं। भोपाल के ही तेजस अग्निहोत्री को 27 वीं रैंक मिली है। इसके अलावा छाया सिंह की 63 वीं और ग्वालियर की माय को 84 वीं रैंक प्राप्त हुई है। परीक्षा परिणाम आने के बाद मध्य प्रदेश से सिविल सेवा परीक्षा में चयनित हुए परीक्षार्थियों के घर पर उत्सव सा माहौल बन गया। लोग उनको बधाई देने पहुंचने लगे। सतना जिले में पदस्थ सब इंस्पेक्टर विजय सिंह कुशवाह की बेटी काजल सिंह ने प्रथम प्रयास में यूपीएससी परीक्षा पास कर 485वीं रैंक हासिल की है। खास बात यह लोक सेवकों के चयन की इस महत्वपूर्ण परीक्षा में समाज के निम्न मध्यम वर्ग, कमजोर और गरीब तबके के प्रतियोगी भी अपनी मेहनत से सफलता अर्जित कर रहे हैं। पहली बार भिलाला समाज की प्रतियोगी चयनित हुई है। इसका सीधा अर्थ यही है कि यूपीएससी से सिलेक्टेड प्रतिभागियों में सर्वसमावेशिता बढ़ी है। इस पर सम्पन्न वर्ग तथा बड़े शहरों का एकाधिकार नहीं रह गया है। यह सामाजिक समसरता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। बुधवार को यूपीएससी के नतीजे घोषित होने के बाद प्रतिभागियों की मेहनत और समर्पण की प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं। यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों में उल्लेखनीय संख्या उनकी है, जो आईएएस, आईपीएस अधिकारियों की संतानें हैं। इसे हम सीधे तौर पर परिवारवाद तो नहीं कह सकते, क्योंकि यूपीएससी में सिफारिश नहीं चलती । कड़ी मेहनत से ही अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होना होता है। अलबत्ता आला अफसर की संतान होने के नाते उन बच्चों को समय पर सही मार्गदर्शन और परिवार का सपोर्ट जरूर मिल जाता है, जो शायद दूसरे बच्चों को आसानी से नहीं मिल पाता। मसलन भोपाल की छाया सिंह ने 65वीं रैंक पाई है। छाया सिंह आईएएस अधिकारी छोटे सिंह की बेटी है। एक और उल्लेखनीय और दिलचस्पी कामयाबी दो सगे भाइयों का चयन है। भोपाल के दो सगे भाई सचिन गोयल और समीर गोयल का भी यूपीएससी में चयन हुआ है। सचिन गोयल की 209वीं और समीर गोयल की 222वीं रैंक आई है। इंदौर की आराधना चौहान की 251वीं रैंक आई है। उनके पिता वरदीप सिंह चौहान पूर्व अधिकारी हैं, तो मां रेखा गृहिणी। इसके अलावा यूपीएससी में महिलाएं लगातार सफलता के झंडे गाड़ रही हैं। यूपीएससी महिला वर्ग में तेलंगाना की डोनुरू अनन्या रेड्डी महिलाओं में शीर्ष स्थान पर रहीं। अनन्या ने पहले ही प्रयास में यह परीक्षा पास की। यूपीएससी की टॉप टेन लिस्ट में 6 महिलाएं भी शामिल हैं। महिला वर्ग में तेलंगाना की डोनुरू अनन्या रेड्डी ने टॉप किया। उन्होंने पहले ही प्रयास में ये परीक्षा पास की। उधर यूपी के अनिल प्रकाश मिश्रा के परिवार के चार सदस्यों ने यूपीएससी पास कर नया इतिहास रच दिया है। अनिल मिश्रा ग्रामीण बैंक में मैनेजर हैं। कुछ और सफल प्रत्याशियों के मां बाप छोटी मोटी नौकरी करते हैं या फिर ऑटो रिक्शा चलाते हैं। ऐसे बच्चों सीमित संसाधनों और कमजोर वर्ग के बच्चों की सफलता के पीछे उनकी अथक मेहनत, दृढ़ संकल्प और समर्पण है। निश्चय ही सफल प्रत्याशियों ने कड़े परिश्रम के बाद ही यह कामयाबी पाई है, लेकिन वो सेवा के दौरान अपने मूल्यों पर कितना कायम रहते हैं, यह देखने की बात है।

मतदान अनिवार्य करने के लिए विधेयक

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। आप केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

देश मतदान से गुजर रहा है। भारत के हर कोने में देश के नेतृत्व के सन्दर्भ में चर्चा है। हमारे देश की एक खुबसूरत बात यह है कि यह देश विविधता से भरा हुआ है। जो नागरिक संविधान में दिए गए मतदान हेतु आयु-सीमा को पार कर चुका है, सबको अपने मत का अधिकार है। यह मताधिकार नागरिक को उसके लिए यह चयन करने का अवसर प्रदान करता है कि वह अपने देश की बागडोर किसे सौंपना चाहता है। वह अपना देश किस तरह, किसके हाथों में सुरक्षित देख रहा है।

आज़ादी के बाद बहुत से चुनाव भारत में संपन्न हुए। सभी चुनाव से चुनाव आयोग और देश के नागरिक कुछ न कुछ सीखते हैं। चुनाव के बाद यह आंकलन करते हैं कि इस चुनाव में जो परिणाम आये हैं, उसमें क्या अच्छाइयाँ थीं और इसमें क्या कमी थी। बौद्धिक वर्ग प्रायः इसका आंकलन करता है। सरकारें बनने के बाद वह यह भी आंकलन करता है कि जिसे हमें चयन किया था उसने देश के लिए क्या किया और देश ने इनके नेतृत्व से क्या तरक्की पायी। यह स्वस्थ लोकतंत्र में ही संभव है। यह एक प्रजातांत्रिक व्यवस्था की अपनी खूबसूरती है कि वह चुनाव कराती है और देश की दिशा दृष्टिकोण तय करके वर्तमान का परिष्कार करती है और इससे ही देश जाना जाता है अपनी भौगोलिक क्षेत्र में। दुनिया के विभिन्न लोकतांत्रिक व्यवस्था में देश के आकलन भी देश की अपनी योजना, दृष्टि और क्रियान्वयन के आधार होते हैं। अंतरराष्ट्रीय महत्व की बहुत सी एजेंसीज हमारे सुशासन का बखान करती हैं और यदि देश में कुछ गलत होता है तो उसकी आलोचना करती हैं।

भारत में 2024 अपने देश के लिए एक नया अध्याय है जब देश में मतदान हो रहे हैं। विभिन्न पार्टियाँ अपने-अपने अनुसार देश को बेहतर बनाने का दावा करके आमजनता को रिझा रही हैं। मतदाता का अपना विवेक ऐसे में बहुत मायने रखता है। मतदाता विचार करके अपने मतदान का प्रयोग करे, यह ज़रूरी है। कहा गया है-बिना विचारे जो करे सो पीछे पछताय। यह मतदान देश के भविष्य का निर्धारण करता है। यह मतदान देश को निर्णायक गतिशीलता प्रदान कर सकता है। इसलिए मतदान तो सदैव सोच-समझकर ही करने की आवश्यकता है। ऐसे समय में जब विभिन्न दल चुनाव में अपने-अपने घोषणा-पत्र के साथ चुनाव में जाते हैं तो उनके पास बहुतेरे ऐसे नारे, दावे, योजनाओं की अम्बार होते हैं, लेकिन वे सब कहीं भुलावे के लिए प्रयोग में तो नहीं लाया जा रहा है, इसे हर मतदाता को ध्यान देना चाहिए। पार्टियाँ चालबाज होती हैं। वे ऐसे-ऐसे तथ्यों को सामने रखती हैं जिससे किसी आम आदमी का कोई सरोकार नहीं होता। पार्टियाँ सोचती हैं जैसे तैसे, किसी भी प्रकार से वे मतदाताओं को अपने पक्ष में कर लें लेकिन यह एक भुलावा होता है। उनकी बातों में, उनके दावों में कोई सचाई नहीं होती। झूठ का व्यापार कोई इनसे सीखे।

नागरिक को खुद मौलिक होना चाहिए। उसकी सोच में मौलिकता होनी चाहिए। यह एक नैतिक नागरिक ही कर सकता है। किसी के बहलावे में आकर घूमता हुआ व्यक्ति अपनी मौलिकता इस कदर खो देता

है कि वह खुद की कोई राय नहीं बना पाता। वह सिर्फ पार्टी की मंशा पर काम करता है। उसी के लिए झूठ, फरेब और षड्यंत्र की बलि खुद को चढ़ाता जाता है। यद्यपि एक मौलिक सोच वाला व्यक्ति देश का नागरिक होने के नाते किसी दल या पार्टी को वोट तो करेगा ही, लेकिन उसे वोट किसे करना है और किसे नहीं यह विवेक वह प्रयोग कर लेता है। वह अपने स्व को खोकर कोई मतदान नहीं करता। इसी वजह से कभी-कभी जो हम चुनाव के बाद अप्रत्याशित परिणाम देखते हैं, वे परिणाम आ पाते हैं। देश हित में वास्तव में एक मौलिक सोच वाला नागरिक ही कार्य करता है। वह देश का होता है। मतदान में जब देश होता है तो भी वह देश पहले देखकर मतदान करता है।

देश में मतदान जब होते हैं तो देश बड़ा होता है। मतदान उसकी मजबूती के लिए उसी तरह काम करते हैं जैसे एक स्वस्थ शरीर की कोशिकाएं अपनी मजबूती देकर देह को मजबूती देती हैं। मौलिकता देह के भीतर बहता हुआ रक्त है। रक्त ख़राब होने का अर्थ है कि शरीर ज्यादा दिन तक कम नहीं करेगी। इसलिए स्वस्थ शरीर के लिए जैसे शुद्ध रक्त की अवश्यकता होती है वैसे ही देश के स्वास्थ्य के लिए नैतिक, मौलिक, संवेदनशील नागरिक की आवश्यकता होती है। मतदान होने के बाद प्रायः एक चीख सुनाई देती है कभी उसको स्मरण करें कि वह सकारात्मक ज्यादा होती है कि नकारात्मक। यह सकारात्मकता और नकारात्मकता का जो शोर है उसे हम बाद में क्यों आमंत्रित करें। अच्छा तो यही है कि चुनाव में प्रतिभागिता करने से पूर्व विचार करके देश के लिए जो सकारात्मक है, उसी दिशा में अपना विचार बनाएं और देश के लिए मतदान करें। बाद में जो कोश्ने की आदत बनती जा रही है वह जंक की तरह होते हैं। वे देश के लिए सर्वदा हानिकारक ही होते हैं।

आज मतदान करने वाले नागरिक के भी गिले शिकवे हैं। वह मतदान नहीं करने से कतरा रहा है। नागरिकों के भीतर मतदान से दूरी बना लेना देश हित में नहीं है। ऐसे नागरिक समाज की संख्या शहरी क्षेत्रों में बहुतायत में है। इनकी मतदान से अरुचि के कारण चाहे जो भी हों लेकिन मतदान में देश को ऐसे नागरिक कभी लाभ नहीं पहुंचाते। वे यह सोचते हैं कि सरकार चाहे जिसकी बने हमें क्या फायदा है? ऐसा भी सोचना उनका होता है कि अरे चुनाव में हमारे मतदान से क्या होने वाला है? हमारे वोट को कौन पूछता है? हमारे वोट न डालने से क्या होगा, सरकार जिसकी बननी है, बन ही जाएगी। दरअसल, ऐसे नागरिकों से देश कमजोर होता है। लोकतंत्र कमजोर होता है। अब समय आ गया है कि 'मतदान अनिवार्य विधेयक' लाया जाए। मतदान क्यों नहीं करेंगे आप? यदि देश के नागरिक हैं तो मतदान करना अनिवार्य होना ही चाहिए। ऐसे नागरिकों को जो मतदान नहीं करते उनको चिन्हित करना ही होगा तभी देश में उसकी नागरिकता का मूल्य होगा।

कदाचित यह विधेयक अब तक आ जाना चाहिए था लेकिन हर बार चुनाव का वहिस्कार देश का एक बड़ा तबका कर रहा है, यह ठीक नहीं है। जो बीमार हैं, अस्पताल में हैं, अशक्त हैं जो वे अगर मतदान देने नहीं जा पाते, उनकी तो कोई छुट भी हो लेकिन जो जानबूझकर चुनाव में प्रतिभागिता नहीं कर रहा है, वह तो मतदान के लिए बाध्य किया जाना चाहिए भले ही वह नोटा का प्रयोग करके आ जाए। वह मतदान में प्रतिभागिता करने से यदि जी चुरा रहा है तो उसकी नागरिक होने या कहलाने पर भी सवाल है। ज्यादा पढ़े-लिखे लोग चुनाव से जी चुराते हैं, यह शर्म की बात है।

मतदान में देश जब अपने नागरिकों से अच्छी सरकार की अपेक्षा करता है तभी ऐसे मतदान में अरुचि दिखने वाले नागरिक देश को धोखा दे रहे होते हैं। ऐसे में 'अनिवार्य मतदान विधेयक' की अनिवार्यता यदि सरकार समझती है तो उसे सबके मताधिकार को देश के लिए तैयार करने हेतु यह विधेयक लाना ही चाहिए। श्रेष्ठ देश बनाने की अनिवार्यता यह भी होती है कि श्रेष्ठ नागरिक के नैतिक प्रतिबद्धताएं भी तय हों। केवल अधिकार के लिए लिए नागरिक नहीं होने चाहिए बल्कि कर्तव्य के लिए भी नागरिक तैयार होने चाहिए। मतदान में जब देश हो तो देश के नागरिकों का प्रथम कर्तव्य यही है कि वह मतदान में प्रतिभागिता करे।

चुनाव 2024

कम मतदान होने का सच

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के 102 स्थानों का लोकसभा चुनाव संपन्न होने के कई तरह के आकलन सामने आ रहे हैं। इस दौर में नौ राज्यों तमिलनाडु ,उत्तराखंड, अरुणाचल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम,नगालैंड, सिक्किम तथा तीन केंद्र शासित प्रदेशों अंडमान, लक्षद्वीप और पुडुचेरी का मतदान संपन्न हो चुका है। हिंदी भाषी राज्यों के दृष्टि से देखे तो ऐसे 35 स्थान का चुनाव संपन्न हुआ है जिनमें बिहार के चार,मध्य प्रदेश के 6, राजस्थान के 12, उत्तर प्रदेश के आठ और उत्तराखंड के पांच स्थान शामिल हैं। दक्षिण के राज्य तमिलनाडु के सभी 39 स्थानों पर मतदान संपन्न हो चुका है। माना जा रहा था कि देश के एक बड़े क्षेत्र में मतदान के बाद इसकी प्रवृत्तियों का आकलन करना थोड़ा आसान हो जाएगा। लेकिन मतदान के बाद आम टिप्पणी यही है कि प्रवृत्तियों का आकलन कठिन हुआ है। बहरहाल , इसकी सबसे बड़ी विशेषता रही कि पश्चिम बंगाल को छोड़कर कहीं भी किसी तरह की हिंसा की घटना नहीं हुई। यह बताता है कि देश का चुनाव तंत्र बिल्कुल सहज, सामान्य और सुव्यवस्थित अवस्था में काम कर रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि हम कम अवधि और कम चरणों में भी लोकसभा चुनाव को समाप्त कर सकते हैं।

सबसे ज्यादा चर्चा मतदान प्रतिशत कम होने को लेकर है और कई तरह के आकलन किया जा रहे हैं। हालांकि तथ्य नहीं है कि सभी क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत ज्यादा गिरा है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में ज्यादा मतदान हुए तो बिहार और उत्तराखंड में अत्यंत कम। इन दो राज्यों में भी अलग-अलग क्षेत्र को देखें तो कहीं ज्यादा तो कहीं कम मतदान हुआ है। एक बार राज्य , मतदान प्रतिशत को देखें। उत्तर प्रदेश में 2019 के 63.88 के मुकाबले 60.25 प्रतिशत,उत्तराखंड में 61.88 प्रतिशत के मुकाबले 55.89 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 67.08 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 65.80 की जगह 67.56 प्रतिशत, राजस्थान में 63.71 की जगह 57.26 प्रतिशत, बिहार में 53.47 प्रतिशत की जगह 48.88 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 83.7 प्रतिशत की जगह 80.55 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 63.0 प्रतिशत की जगह 61.87 प्रतिशत तमिलनाडु के सभी 39 क्षेत्र में 69.46 प्रतिशत, असम में 78.23 प्रतिशत की जगह ,75.95 प्रतिशत, अरुणाचल में 67 प्रतिशत की जगह 72.74 प्रतिशत, मणिपुर में 78.20 प्रतिशत की जगह 72.117 प्रतिशत, मेघालय में 67.15 प्रतिशत की जगह 74.5 0 प्रतिशत, मिजोरम में 63.02 प्रतिशत की जगह 56.6 0 प्रतिशत, नागालैंड में 83.12 प्रतिशत की जगह 56.91 प्रतिशत, त्रिपुरा में 83.12 प्रतिशत की जगह 81.62 प्रतिशत, सिक्किम में 78.11 प्रतिशत की जगह 80.003 प्रतिशत, पुडुचेरी में 81.19 प्रतिशत की जगह 78.8 0 प्रतिशत, अंडमान निकोबार में 64.85 प्रतिशत की जगह 63.99 प्रतिशत, लक्षद्वीप में 84.96 प्रतिशत की जगह 83.88 प्रतिशत, जम्मू कश्मीर में 57.35 प्रतिशत की जगह 68 प्रतिशत मतदान हुआ। तो एक-दो स्थान को छोड़कर ज्यादातर जगहों में मतदान गिरा है। उत्तर प्रदेश में 2019 के मुकाबले लगभग 5.30 प्रतिशत कम मतदान हुआ। सबसे अधिक 83.88 प्रतिशत मतदान लक्षद्वीप सीट पर तो बंगाल के जलपाईगुड़ी में 82.15 प्रतिशत मतदान हुआ। हिंसा के शिकार मणिपुर में मतदान कम नहीं माना जा सकता है। कुल मिलाकर इन क्षेत्रों में 2019 में औसत मतदान 69.43 प्रतिशत से ज्यादा हुआ था। चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के अनुसार यह करीब 68.29 प्रतिशत है। यानी करीब 1.14 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। तो राष्ट्रीय स्तर पर मतदान में ज्यादा गिरावट नहीं है । 2019 लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा मतदान हुआ था। तो यह माना जा सकता है कि लोकसभा चुनाव में इससे ज्यादा मतदान की संभावना शायद अभी नहीं है।

नागालैंड में इसलिए मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा क्योंकि छह जिलों में ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स फ्रंट (ईएनपीओ) ने अलग राज्य की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था। इन छह जिलों के 20 विधानसभा क्षेत्रों में चार लाख से अधिक मतदाता हैं। जब इतनी संख्या में मतदाता मत डालेंगे नहीं तो उसे गिरना ही है। इसे मतदान की प्रवृत्ति नहीं मान सकते। करीब डेढ़ दशक पहले मतदान घटने का अर्थ सत्तारूढ़ घटक की विजय तथा बढ़ने का अर्थ पराजय के रूप में लिया जाता था और प्रायः ऐसा देखा भी गया। किंतु 2010 के बाद प्रवृत्ति बदली है। मतदान बढ़ने के बावजूद सरकारें वापस आई हैं और घटने के बावजूद गई है। इसलिए इसके आधार पर कोई एक निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। दूसरे, हर जगह मतदान प्रतिशत ज्यादा गिर भी नहीं है। तीसरे, बंगाल में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों पक्षों के मतदाताओं में एक दूसरे को हराने और जीताने की प्रतिस्पर्धा है।। संदेशखाली से लेकर अन्य मामलों के कारण वहां हिंदुओं के बड़े समूह के अंदर ममता बनर्जी को लेकर आक्रोश है।

सबसे ज्यादा चर्चा उत्तर प्रदेश की है तो जरा क्षेत्र के हिसाब से देखें कि कहां कितना मतदान हुआ। सहारनपुर में पिछली बार 70.87 प्रतिशत हुआ था जबकि इस बार 68.99 प्रतिशत, पीलीभीत में 67.41 की जगह 63.70, मुरादाबाद में 65.46 की जगह 62.05, कैराना में 67.45 की जगह 61.5 , नगीना में 63.66 की जगह असर दशमलव 54, मुजफ्फरनगर में 80.42 की जगह 58.5, बिजनौर में 66.022 की जगह 58.21 और रामपुर में 63.01 की जगह 55.75 प्रतिशत मतदान हुआ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इस इलाके में मतदान प्रतिशत घटना सामान्य स्थिति का परिचायक नहीं है। इस क्षेत्र को जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का विशेषण प्राप्त है। तो यह आकलन करना कठिन है कि जहां मतदान प्रतिशत गिरा वहां किनके मतदाता नहीं आए। पिछले चुनाव में भाजपा के लिए यह चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था तथा बसपा सपा ने उसे गंभीर चुनौती दी थी। भाजपा को केवल तीन स्थान मिले थे जबकि बसपा को तीन और सपा को दो। अगर भाजपा विरोधी उसे हराना चाहते थे तो उन्हें भारी संख्या में निकलना चाहिए। कहा भी जा रहा है कि सपा के कोर मतदाता यानी मुसलमान और यादवों का बड़ा समूह आक्रामक होकर मतदान कर रहा था।। विरोधी भारी संख्या में निकलेंगे तो समर्थक भी इसका ध्यान रखेंगे। हालांकि उम्मीदवारों के चयन, दूसरे दलों से आये लोगों को महत्व मिलने तथा कहीं -कहीं, गठबंधन को लेकर भाजपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं में थोड़ा असंतोष है तथा एक जाति विशेष ने भी विरोधात्मक रूप अख्तियार किया था। बावजूद यह कहना कठिन होगा कि भाजपा समर्थक मतदाता ही ज्यादा संख्या में नहीं निकले। अभी तक की प्रवृत्ति इसका संकेत नहीं देती। समर्थक कार्यकर्ता थोड़ा असंतुष्ट हों तो इसका असर होता है किंतु विरोधी तेजी से हराने के लिए निकले और इसके बावजूद वो प्रतिक्रिया न दें इस पर विश्वास करना कठिन होता है।

अभी तक के चुनाव अभियान में जनता के उदासीनता दिखी है। हालांकि विपक्ष के प्रचार के विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर आम जनता के अंदर कहीं व्यापक आक्रोश या भारी विरोधी रुझान बिल्कुल नहीं दिखा है। कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थी तथा विकास नीति की प्रशंसा करने वाले हर जगह दिखाई देते हैं । श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा प्रतिष्ठा से लेकर समान नागरिक संहिता एवं नागरिकता संशोधन कानून आदि पर विपक्ष के रवैये ने भाजपा के समर्थकों और मतदाताओं में प्रतिक्रिया भी पैदा की है। आम प्रतिक्रिया यही है नरेंद्र मोदी को ही होना चाहिए। लोग अगर वोट डालते समय यह विचार करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही बनाना है तो वो किसका समर्थन करेंगे? कार्यकर्ताओं नेताओं और समर्थकों के एक समूह के थोड़ा असंतोष का कुछ असर हो सकता है। हालांकि जिनके अंदर असंतोष है उनमें भी यह भाव है कि अगर यह सरकार हार गई तो कहा जाएगा कि हिंदुत्व विचारधारा की हार हो गई है। जिस जाति के विद्रोह की चर्चा हो रही है वहां भी लोगों के अंदर भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर सहानुभूति का भाव दिखता है। इसलिए यह मानने में भी कठिनाई है कि इन्होंने बिल्कुल एक मस्त आक्रामक होकर भाजपा के विरोध में मतदान किया होगा। ऐसा होने का अर्थ मतदान बढ़ना होना चाहिए। मतदान कम होने को भाजपा विरोधी रचन का संकेत मानना उचित नहीं होगा।

खोला व्यंग्यकार ने गारंटियों का झोला

व्यंग्य

अशोक गौतम

अबके अपने मुहल्ले के वे व्यंग्यकार जिनसे अपनी टांगों पर भी खड़ा नहीं हुआ जा रहा था, पता नहीं क्यों चुनाव में खड़े हो गए? किसके कहने पर खड़े हो गए? बहकावे में तो वे वैसे आजतक किसीके आए नहीं। तब मैंने उन्हें बहुत समझाया भी,'बंधु ! जब आदमी से अपनी टांगों पर भी खड़ा न हुआ जाए तो उसे और तो सबकुछ करना चाहिए, पर देशसेवा के अखाड़े में कम से कम नहीं उतरना चाहिए। यहां लंगड़ी मारने वालों की कमी नहीं ,' तो वे मुझ पर बिगड़ते बोले,' देखो, अपनी सलाह अपने पास रखो। व्यंग्यकार को डराओ मत ! व्यंग्यकार को सलाह दोगे तो वह.... जीवन में देशसेवा का दौर तभी शुरू होता है जब जीव से अपनी टांगों पर खड़ा नहीं हुआ जाता। मेरी टांगें देखने से पहले उनकी टांगें देखो। आदमी नौकरी से रिटायर तब होता है जब उसे साठ मार जाता है और जनसेवा तब शुरू होती है जब उसे काठ मार जाता है,' उनकी दलील के आगे मैं चुप ! किसी पार्टी से उन्हें टिकट तो कहां मिलना था, सो वे आजाद प्रत्याशी के रूप में खड़े हो गए। उन्हें सलाह देने वाला तो मैं कौन होता था, तब एक बार फिर मैंने उनसे निवेदन किया,' हे देश के भविष्य के व्यंग्यकार ! लड़ना ही है तो किसी किसी पार्टी से टिकट ले लड़ो। थोड़ी बहुत टांगों को सपोर्ट मिल जाएगी,' तो वे मेरा सीना ठोकते बोले,'व्यंग्यकार आज तक आजाद ही जिया है। वह समाज की विसंगतियों से अकेला ही लड़ा है। उससे बीवी की गुलामी सहन हो सकती है, पर किसी पार्टी की नहीं। इसलिए वह लड़ेगा तो आजाद होकर ही लड़ेगा। उसे किसी पार्टी की दासता स्वीकार नहीं।' और वे व्यंग्य का अखाड़ा छोड़ जन सेवा के अखाड़े के कूद पड़े बहती विसंगतियों पर कलम भांजने के बाद बहती चुनावी गंगा में लात धोने। कल उन्होंने मुहल्ले से अपने चुनाव प्रचार की विधिवत् शुरूआत करते सबकी तरह अपना विजन दो हजार नब्बे मुहल्ले के सामने प्रस्तुत करते गारंटियों का झोला खोला। मित्रो ! बिना गारंटियों के आज कोई भी चुनाव लड़ना मुश्किल है। आज का दौर राजनीति में वारंटियों का नहीं, गारंटियों का दौर है। भले ही कंपनियां अब अपने माल पर गारंटी की जगह वारंटी दे रही हों। उपभोक्ता भले ही कंपनियों के उत्पादों पर वारंटी से खुश हो, पर वह चुनाव में गारंटी ही चाहता है। वे मुहल्ले के रामलीला मंच पर पूरे कपड़े पहने होने के बाद भी नंगे दिखते खड़े हुए हुए। साथ में उन्होंने अपने दो चार वे खड़े किए थे जो उनके व्यंग्य के बाणों से बींधे नहीं थे। तब उन्होंने मुहल्ले के यूट्यूब चैनलियों, मुहल्ला पत्रकारों के सामने अपना संकल्प पत्र जारी करते कहा ,' हे मेरे मुहल्ले के फेसबुकिया आदरणीय चैनलकारो ! पत्रकारो ! मेरे संकल्प पत्र का देश को बड़े समय से इंतजार था। आज मुझे अपना संकल्प पत्र को जारी करते गर्व की अनुभूति हो रही है। ऐसी अनुभूति कि जैसी मुझे आजतक व्यंग्य लिखने पर भी नहीं हुई। अतः सूरज को साक्षी मानकर, गर्म होती हवाओं को साक्षी मानकर अपने संकल्प पत्र के माध्यम से मैं अपने वोटरों को गारंटी देता हूं कि मैं अपने व्यंग्य देश के तमाम पाठकों को पांच साल तक मुफ्त उनके घर तक पहुंचाऊंगा ताकि स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

मैं गारंटी देता हूं कि मैं अपने व्यंग्य में गरीब, किसान, युवा, नारी, हर सरकारी ईमानदार कर्मचारी, गांव और समाज के अंतिम पायदान पर पड़े आदमी को पूरी ईमानदारी से स्थान दूंगा। मैं गांरटी देता हूं कि मैं हर विधा के पच्चीस साल से ऊपर के हर बुजुर्ग साहित्यकार के गिरते स्वास्थ्य को ध्यान में रख उनका मुफ्त इंतजाम करवाऊंगा। वे चाहे वे किसी भी जात के हों, किसी भी वर्ग के हों , किसी भी धर्म के हों। मैं अच्छी तरह जानता हूं कि लेखक कुल मिलाकर लेखक होता है। वह स्वर्ण होकर भी दलित ही होता है और दलित होकर भी स्वर्ण होता है। मैं गांरटी देता हूं कि मैं अपने व्यंग्य के माध्यम से सड़क से लेकर ससंद तक वालों से समाज को ठगने वालों से बचाऊंगा। उनके लिए अपने कार्यकाल में डेढ़ सौ करोड़ वैचारिक पक्के मकान बनाऊंगा ताकि वे उनमें हंसते हुए रह सकें। मैं गांरटी देता हूं कि मैं सौ करोड़ जनता को ऐसी सोच मुफ्त में दूंगा कि उन्हें पांच साल तक मफ्त का अनाज खाने की जरूरत न रहे। हे मेरे वोटरो ! याद रहे ! उनकी गारंटियां पीतल पर सोने का पानी चढ़ी गारंटियां हैं, पर हे मेरे देश वासियो ! मेरी गारंटियां पच्चीस कैरेट सोने जैसी खरी हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दृष्टिकोण

भाजपा के सत्ता में आने से लोकतंत्र को कैसा खतरा?

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के कर्णधार सार्वजनिक मंचों से यह आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि इस बार यदि भाजपा की सत्ता में पुनरावृत्ति होती है, तो देश में लोकतंत्र का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यह धारणा एक प्रकार से जागृत मतदाताओं के विवेक को चोटिल करती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रारंभिक कुछ दशकों तक देश में कांग्रेस का एकछत्र राज रहा, उस दौर में नागरिकों के सम्मुख उसका कोई सशक्त एवं प्रभावशाली विकल्प नहीं था। इसके अतिरिक्त 'गांधी और नेहरू' शब्द का जादू भी आम नागरिकों के सिर पर चढ़कर बोला करता था। विपरीत ध्रुव के रिश्ते-नातों की गहराई में उतरकर तार्किक दृष्टि से भी आम नागरिक सोचविचार नहीं कर पाते थे। लेकिन शिक्षा के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ परंपरागत रूप से कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने वाला वर्ग जब खुली आंखों से देख समझ कर गुण-दोष के आधार पर राजनीतिक दलों का मूल्यांकन करने की स्थिति में आया, इसके चलते सत्ता परिवर्तन का दौर भी आने लगा। देश ने अनेक गैर कांग्रेसी सरकार देखी है, लेकिन ऐसी सरकार में परिवारवाद का सिलसिला उस कदर नहीं चला जिस कदर कांग्रेस के समय में हुआ था। यह एक स्थापित तथ्य है कि विगत 10 वर्षों के भाजपानीत गठबंधन के कार्यकाल में तुलनात्मक रूप से कांग्रेस के समान भाजपा व उसके नेतृत्व की सरकार में कहीं से कहीं तक किसी भी प्रकार के परिवारवाद को प्रोत्साहित नहीं किया गया।

कांग्रेस की यह विवशता रही है कि वह परिवार विशेष पर ही आश्रित मानसिकता के चलते परिवारवाद के दायरे से बाहर निकल कर नहीं आ सकी। जनमत के बहुमत ने दशकों तक रही परिवार विशेष की हुकूमत को नकारने का सिलसिला क्या प्रारंभ किया कि परिवार विशेष के झंडाबरदारों की नजरों में लोकतंत्र ही खतरे में दिखाई देने लगा। इस संदर्भ में कांग्रेस को यह तथ्य याद रखना चाहिए कि यह आम नागरिकों की राजनीतिक परिपक्वता का ही प्रत्यक्ष उदाहरण है कि वे मतदान के माध्यम से कांग्रेस को अनेक बार सत्ता से बेदखल कर चुके हैं। दरअसल निरंतर परिवर्तित परिवेश में आम नागरिकों की बौद्धिक क्षमता में भी गुणोत्तर रूप से वृद्धि हुई है। अब राजनीति में अंध समर्थन का दौर दिखाई नहीं देता। सोच-समझ कर मतदान हुआ करता है।

सत्ता परिवर्तन इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। देश-दुनिया की नजरों में भारतीय लोकतंत्र अब चैतन्य अवस्था को प्राप्त कर चुका है। नागरिकों की नजरों में भाजपानीत गठबंधन की सरकार यदि विधि की मान्य परंपरा के विरुद्ध कुछ करेगी, तो जनमत का बहुमत उसे भी नकारने का सामर्थ्य रखता है। लेकिन अब तक के कार्यकाल में इस सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्राप्त किया है। दशकों से अनसुलझी समस्याओं का निराकरण करते हुए देश को प्रगति पथ पर अग्रसर किया है। वैश्विक दृष्टि से भी देश के मान-सम्मान और स्वाभिमान को बढ़ाया है। आम नागरिकों के रहन-सहन के स्तर के मद्देनजर अब तो गरीबों की परिभाषा ही बदल गई है। यानी कि अब सवाल रोटी और कपड़े का ही नहीं रहा है।भाजपा कोई व्यक्ति या परिवारवादी दल नहीं है। उसकी अपनी नीति है और अपने सिद्धांत है। जिसके आधार पर उसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है। भाजपा का बढ़ता जनाधार उसकी नीतियों के प्रति जनविश्वास का प्रत्यक्ष परिचायक है। ऐसा नहीं है कि वर्तमान भाजपा व्यक्ति या परिवारवादी चेहरे के आधार पर चुनाव लड़ रही हो। आज अगर भाजपा मोदी के नाम पर चुनाव लड़ रही है तो कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि भाजपा की नजरों में मोदी परिवारवाद का प्रतीक नहीं है। यह सच है कि वह भाजपा का मुख्य चेहरा है ,लेकिन सचाई यह भी है कि वे भाजपा कार्यकर्ता के प्रतीक के रूप में भाजपा की अगुवाई कर रहे हैं।

यही नहीं अपितु भाजपा ने तो अनेक राज्यों में तीसरी और चौथी पंक्ति के वरिष्ठ कार्यकर्ता को हुकूमत की बागडोर तक सौंपी है ।आज भाजपा के हर कार्यकर्ता के मन में यह पुख्ता विश्वास है कि संगठन में उसका दर्जा 'देवतुल्य कार्यकर्ता' के तौर पर जाना जाता है। एक प्रकार से मोदी भाजपा संगठन की नजरों में समर्पित कार्यकर्ता के नाते अपने दल की ओर से सरकार का नेतृत्व करते हैं। ऐसे में कांग्रेस का नागरिकों को यह समझाने का प्रयास भी किसी के गले नहीं उतरता कि हालिया चुनाव में जनमत का बहुमत पाकर वह लोकतंत्र का ही गला घोंटा देगी। हकीकत तो यह है कि देश का लोकतंत्र भाजपा की अगुवाई में निरंतर परिपक्व होता जा रहा है।कुल मिलाकर कांग्रेस का यह समझना कि वह सत्ता में है तो लोकतंत्र सुरक्षित है, उसके बौद्धिक दिवालियापन का ही प्रत्यक्ष परिचायक माना जा सकता है। वैसे भी अब आम नागरिकों को बरगलाना कहीं से कहीं तक आसान नहीं रह गया है। कांग्रेस की सत्ता के प्रति छटपटाहट को स्पष्ट तौर पर समझा जा सकता है। अब और कुछ नहीं तो वह लोकतंत्र की दुहाई देकर सत्ता में पुनर्वापसी के और ऐसा अंदेशा जाहिर कर रही है, जो किसी के गले नहीं उतरता।

विचार

सचिन जैन
लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

संविधान क्यों जलाना चाहते थे डॉ. अम्बेडकर?

अक्सर यह सन्दर्भ दिया जाता है कि डॉ. भीम राव अम्बेडकर, जिन्होंने भारत के संविधान की रचना में केन्द्रीय भूमिका निभाई थी, ने ही कुछ सालों बाद कह दिया था कि भारत के संविधान को जला देना चाहिए या मैं इसे जलाने वाला पहला व्यक्ति होउंगा। डॉ. अम्बेडकर इस बात के माध्यम से यह नज़रिया स्थापित करने का प्रयास किया जाता है कि डॉ. अम्बेडकर के हिसाब से भी भारत का संविधान गैर-मुनासिब संविधान है। यह अच्छा संविधान नहीं है। सच यह है कि वे संविधान के सिद्धांतों के साथ किये जा रहे बुरे बर्ताव से क्षुब्ध थे।लेकिन क्या यह जान लेना जरूरी नहीं लगता है कि जिस व्यक्ति ने संविधान की रचना के काम को तप के तरीके और भाव के साथ अंजाम दिया, उस व्यक्ति ने ऐसा क्या कहा था और क्यों कहा था? उनके वक्तव्य का मूल सन्दर्भ और पृष्ठभूमि क्या है?

वर्ष 1953 में संसद में आँध्रप्रदेश राज्य के निर्माण के लिए 'आन्ध्र राज्य विधेयक' प्रस्तुत किया गया था। यह उल्लेखनीय है कि भाषा के आधार पर आँध्रप्रदेश के निर्माण के लिए जन आन्दोलन हुए थे और कुछ लोगों ने इस संघर्ष में अपने प्राणों का त्याग भी किया था। 2 सितम्बर 1953 को राज्य सभा में इस विधेयक पर हो रही बहस में डॉ. अम्बेडकर ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये थे। उनका वक्तव्य सतही वक्तव्य नहीं था। डॉ. अम्बेडकर ने भारत में भाषाई संस्कृति, इसके आधार पर राज्य के निर्माण, अल्पसंख्यकों के प्रति बहुसंख्यकों के राजनीतिक नज़रिए का सूक्ष्म विश्लेषण पेश किया था। सबसे पहले उन्होंने सवाल उठाया था कि कांग्रेस पार्टी ने तो वर्ष 1921 में ही अपने संविधान में भाषाई प्रान्तों के निर्माण के सिद्धांत को शामिल कर लिया था। लेकिन वर्ष 1921 से वर्ष 1949 के बीच इस विषय पर उनके पक्ष के बारे में स्पष्टता दिखाई नहीं देती है। यह भी नहीं पता है कि भाषाई प्रान्तों के सिद्धांत को अपने पार्टी संविधान से हटा लिया है या नहीं या इस पर कोई खेद व्यक्त किया है? डॉ. अम्बेडकर ने कहा 'वर्ष 1949 में जब भारतीय संविधान की मसौदा समिति बैठी थी, तब तत्कालीन विधान सभा के एक सदस्य ने भाषाई प्रान्तों के गठन के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। मैं उस समय क़ानून विभाग का प्रभारी था। मुझे इसके लिए कैबिनेट सहयोगियों के साथ सलाह-मशविरा करना था कि इस प्रस्ताव का मुझे किस प्रकार उत्तर देना चाहिए? उन्होंने कहा कि मेरे लिए यही श्रेष्ठ होगा कि मैं यह प्रस्ताव या तो प्रधान मंत्री के पास भेज दूं या फिर दिवंगत सरदार वल्लभ भाई पटेल के पास। मैनें बहुत खूबी के साथ ऐसा ही किया क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि इस प्रस्ताव का उत्तर देने की जिम्मेदारी मेरे कंधे पर आये। इस प्रस्ताव पर प्रस्तुतकर्ता और कांग्रेस के उच्च कमान के सदस्यों के मध्य यह सहमति बन गई कि हांलाकि वे इस प्रस्ताव को व्यापकता के साथ सभी भाषाई प्रान्तों पर लागू नहीं कर सकते हैं, लेकिन आन्ध्र प्रांत के निर्माण के प्रश्न पर विचार करने के लिए तैयार थे। संविधान मसौदा समिति के सदस्य यह जानने के लिए उत्सुक थे कि क्या इसे संविधान के मसौदे की राज्यों की सूची में शामिल करना है? इसका मुझे कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ और आन्ध्र अलग प्रांत नहीं बन पाया'। डॉ. अम्बेडकर का कहना था कि भाषाई प्रान्तों के प्रश्न पर एक स्पष्ट नज़रिया होने के बीस सालों बाद भी कांग्रेस में अनिश्चितता की स्थिति थी। एक समय कांग्रेस कहती है कि भाषाई प्रांत नहीं होने चाहिए और दूसरे क्षण कहती है कि हाँ, हमें आन्ध्र प्रांत का गठन करना चाहिए।

जब संसद में बहस चल रही थी तब सरकार की तरफ से यह तर्क दिया गया था कि भाषाई प्रान्तों का निर्माण करने से भारत की एकता खंडित होगी। डॉ. अम्बेडकर ने कहा 'मैं आश्चर्यचकित हूँ कि यदि कोई व्यक्ति संविधान में वर्णित राज्यों की सूची देखे तो वह यह पायेगा कि विभिन्न भागों में कुल मिलाकर 27 राज्य है, इनमें से 23 राज्य भाषा पर आधारित राज्य हैं। मैं गृहमंत्री से पूछना चाहता हूँ कि क्या इन 23 राज्यों ने, जो संविधान की शुरुआत के साथ ही अस्तित्व में आये हैं, क्या कुछ ऐसा किया है, जिससे देश की एकता भंग हुई हो। ईश्वर की कृपा से हमने न केवल स्वतंत्रता प्राप्त की है, बल्कि एकता भी हासिल की है। इन 23 भाषाई राज्यों के तथ्य के मद्देनज़र यह कहना कि इन भाषाई राज्यों से भारत की एकता ख़त्म हो जायेगी, एक बचकाना बात है'।

डॉ. अम्बेडकर का कहना था कि आंध्र राज्य के गठन के समय वहां के जनसांख्यिकीय चित्र पर विचार नहीं किया गया है। इस राज्य की सामाजिक संरचना क्या है? वहां कुछ बड़े समुदाय है, जैसे रेड्डी, फिर कम्मा, फिर कापू और फिर अनुसूचित जाति के भूमिहीन मजदूर। यहाँ सारी जमीनें रेड्डी लोगों के कब्ज़े में हैं। सारा व्यापार उनके हाथ में है और अधिकारी भी रेड्डी हैं। गृहमंत्री ने अत्याचार के खिलाफ, दमन के खिलाफ और साम्प्रदायिकता के खिलाफ सुरक्षा देने के लिए कौन से प्रावधान किये हैं? मुझे सबसे अधिक अफ़सोस इस बात का है कि गृह मंत्री जिनका यह दायित्व है कि बहुसंख्यक लोगों के अत्याचारों के खिलाफ देश के प्रत्येक नागरिक की रक्षा करें, वे बिना किसी विचार के, बिना किसी अवधारणा के यह विधेयक लेकर आये हैं'।

उन्होंने सुझाव दिया था कि 'आन्ध्र राज्य के बनने से हमारी समस्याएं ख़त्म नहीं होने वाली हैं। यहाँ कई अन्य राज्य है, जो ऐसी ही मांग कर रहे हैं। मेरे विचार से सरकार यह पता लगाये कि क्या कोई और भी तरीके और साधन हैं, जिनके द्वारा हम बहु-भाषाई प्रान्तों को उनके मूल रूप में रख सकते हैं। मेरे दो सुझाव हैं - बहुभाषी राज्य में वहां के राज्यपाल के पास अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए विशेष शक्तियां हों और दूसरा सुझाव यह है कि ऐसे सभी राज्यों, जहाँ कई भाषाएँ बोलने वाले लोग हैं, को विभिन्न भाषाई वर्गों से सम्बन्ध रखने वाले सदस्यों की कानूनी समितियां बनाई चाहिए, जिनके पास सुने जाने और मंत्रालय से यह प्रश्न पूछने का अधिकार हो कि क्या वे उनकी समस्याओं के प्रति न्याय कर रहे हैं'।

वे मानते थे कि हो सकता है कि किसी छोटे राज्य के पास अपनी भाषा और अपनी संस्कृति तो हो, लेकिन प्रशासन चलाने के साधन न हों, तब क्या होगा? लोग संस्कृति पर नहीं जीते, लोग भाषा पर नहीं जीते। लोग उन संसाधनों पर जीते हैं, जो उनके पास होते हैं। इसीलिए डॉ. अम्बेडकर समावेशीकरण की, परस्परता और बंधुत्व की वकालत करते थे। उन्होंने कई देशों के उदाहरण दिए, मसलन स्विट्ज़रलैंड, जहाँ भाषावाद को साम्प्रदायिकता से जोड़ कर नहीं देखा जाता है, लेकिन हमारे देश में भाषावाद साम्प्रदायिकता का दूसरा नाम है। उनकी मान्यता स्पष्ट थी कि भाषा के आधार पर बनने वाले राज्य में प्रशासन की कमान बहुसंख्यकों के हाथ में होती है और वह अपने धार्मिक अस्तित्व की भावनाओं से प्रेरित होकर सबसे बुरी तरह की साम्प्रदायिकता का इस्तेमाल करना आरम्भ कर देता है। भेदभाव से अन्याय का जन्म होता है और अन्याय से दुर्भावना उत्पन्न होती है।

यह उल्लेखनीय है कि मसौदा संविधान में राज्यपाल की नियुक्ति के दो विकल्प दिए गए थे। एक विकल्प राष्ट्रपति के द्वारा किये जाने का था, लेकिन दूसरा विकल्प भारतीय जनता द्वारा चुनाव के माध्यम से सीधे चुने जाने का भी था। डॉ. अम्बेडकर का विचार था कि चूंकि राज्यपाल को महत्वपूर्ण संवैधानिक भूमिका दी जाना है, इसलिए उनका चुनाव जनता के द्वारा किया जाना चाहिए, लेकिन दूसरा विकल्प नहीं चुना गया। आन्ध्र विधेयक पर बहस में भाग लेते हुए वे कहने की कोशिश कर रहे थे कि भारत में राज्यपाल को अधिकार नहीं दिए गए हैं और मंत्रियों को ज्यादा अधिकार दिए गए हैं। अब संविधान में संशोधन करके राज्यपाल को अल्पसंख्यकों की रक्षा की जिम्मेदारी निभाने के लिए विशेष अधिकार दिए जाने चाहिए।

आन्ध्र विधेयक पर बहस के दौरान राज्यपाल को अल्पसंख्यकों के अधिकारों के संरक्षक की जिम्मेदारी दिए जाने के सुझाव पर राज्य सभा में ही तत्कालीन गृहमंत्री कैलाश नाथ काटजू ने टिप्पणी की थी कि इस संविधान का ड्राफ्ट आपने ही तैयार किया था? डॉ. अम्बेडकर ने अपनी बात कहना जारी रखा और कहा कि 'मेरे मित्र मुझे बताते हैं कि भारत के संविधान का निर्माण मैंने किया है, लेकिन मैं यहाँ यह कहना चाहूंगा कि मैं इसे (संविधान) को सबसे पहले जलाउंगा। मुझे यह पसंद नहीं है। यह किसी के लिए भी उपयुक्त नहीं है, लेकिन यह कैसा भी हो, यदि हमारे देश के लोग इसे जारी रखना चाहते हैं, तो उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि यहाँ बहुसंख्यक समुदाय भी है और अल्पसंख्यक भी और केवल यह कहकर अल्पसंख्यकों की अनदेखी नहीं की जा सकती कि ओह, नहीं, आपको मान्यता देने का अर्थ है लोकतंत्र को नुकसान पहुँचाना'। इसके 12 दिन बाद 14 सितम्बर 1953 को पटियाला और ईस्ट पंजाब स्टेट यूनियन (पेप्सू) के विषय पर बहस हो रही थी। तब उन्होंने कहा था कि 'हम पेप्सू के प्रश्न पर विचार कर रहे है, लेकिन मुझे महसूस होता है कि हम इससे कहीं ज्यादा बड़ी समस्या के बारे में चिंतित हैं और वह समस्या यह है कि क्या माननीय गृहमंत्री संविधान में सम्मिलित सिद्धांतों का पूरी निष्ठापूर्वक पालन कर रहे हैं।' उन्होंने 12 दिन पहले संविधान के बारे में कही गई अपनी बात का फिर उल्लेख किया ÷विगत दिन जब मैं संविधान के सम्बन्ध में कुछ हद तक आवेगपूर्ण ढंग से बोला ('मैं यहाँ यह कहना चाहूंगा कि मैं इसे (संविधान) को सबसे पहले जलाउंगा।') तो यह मेरी एक तरफ़ा टिप्पणी थी। मेरे बोलने का मुख्य विषय संविधान नहीं था लेकिन यदि मैं बहुत गंभीर होता या गंभीर होने का प्रयास करता तो मैं कई उदाहरण प्रस्तुत कर सकता था कि कोई व्यक्ति अपने अन्दर संविधान के लिए इतनी घृणा क्यों महसूस करता है? मैं एक या दो उदाहरण दूंगा और यदि मैं कहूँ कि वे संविधान के साथ बलात्कार करने के सबसे हिंसक उदाहरण हैं तो मेरे माननीय मित्र मुझे क्षमा करेंगे। ऐसा इरादा कभी नहीं था कि विधानसभा का कोई नामजद सदस्य ही प्रधानमंत्री बनना चाहिए। लोकतंत्र के राजनीतिक समूह में रहकर बड़ा हुआ हर व्यक्ति यह जानता होगा कि अब यह सुव्यवस्थित परम्परा बन चुकी है कि निचले सदन की कोई सदस्य (यानि चुनाव में भाग लेकर जनता के द्वारा सीधे चुना गया व्यक्ति) ही प्रधानमंत्री बनना चाहिए। बम्बई के मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त माने जाने वाले उम्मीदवार चुनाव हार गए, तब प्रश्न उठा कि अब क्या किया जाए, तब उन्हें यहाँ से सन्देश भेजे गए कि वे अभी भी पार्टी के नेता बने रह सकते थे और इसलिए देश के प्रधानमन्त्री बन सकते थे। जिस प्रकार सरकार संविधान के साथ हल्केपन से पेश आ रही है, उससे मैं चकित हूँ। यह हमारा निर्णय था कि लोग अपनी पसंद की सरकार चुनें'।

डॉ. अम्बेडकर इस बात से भी व्यथित थे कि कांग्रेस किसी भी तरह से देश भर में अपना ही नियंत्रण स्थापित करना चाहती थी। उन्होंने कहा 'मंत्री वर्ग के मेरे माननीय मित्रों पर इस बात का जूनून सवार है कि देश के सभी राज्यों में कांग्रेस की सरकारें होना चाहिए। हमारे मित्र इस बात पर इतने असहनशील क्यों हो रहे हैं कि उनके राज्य में दूसरे लोगों (दूसरी पार्टी) को सरकार चलाने का अवसर प्राप्त हुआ है। हो सकता है कि उनमें से कुछ लोग राज्य का प्रशासन इस ढंग से चलाते हों कि हमारे कांग्रेसी मित्रों को उनसे कुछ सीखने को मिल जाए। वे इतने हठधर्मी क्यों हैं? वे इतने अन्यायी क्यों हैं और संविधान को इस तरीके से तोड़ते-मोड़ते क्यों हैं? यदि आप यह धारणा बनाने वाले हैं कि संविधान में हमारे द्वारा लोगों की सुरक्षा के लिए आरम्भ किये गए सभी प्रावधानों का पार्टी की राजनीति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है तो इसका अर्थ है कि आप पूरी तरह से संविधान का अपमान करने जा रहे हैं। मैं आपको निष्पक्ष सुझाव दे रहा हूँ कि आपको संविधान का उपयोग विधि-सम्मत उद्देश्य के लिए करना चाहिए, जिसके लिए इसका निर्माण किया गया है। इस प्रकार आप न केवल अपने लिए सम्मान अर्जित करेंगे, बल्कि आप संविधान के लिए भी सम्मान उत्पन्न करेंगे और आप जीवन के लोकतान्त्रिक तरीकों के लिए भी सम्मान पैदा करेंगे, जो हमारे देश में पूरी तरह से विलुप्त है।'

वास्तव में संविधान महज नियमों की एक निष्प्राण किताब नहीं होती है। व्यवस्था और नागरिकता सम्बन्धी मूल्य इसे प्राणवान बनाते हैं। विडम्बना यही है कि संविधान के लागू होने के बाद से ही इसके सिद्धांतों और मूल्यों की उपेक्षा शुरू हो गई थी। संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष होने के नाते डॉ. अम्बेडकर यह महसूस कर पा रहे थे कि देश में अभी व्यवस्था संविधान के मुताबिक़ बन भी नहीं पाई है और उसमें संशोधन करने की कोशिशें शुरू हो गई हैं। उन्हें लगने लगा था कि भारतीय संविधान के लचीलेपन का राजनीतिक दुरूपयोग होने लगा है और यह भारतीय संविधान के लिए अच्छा संकेत नहीं है, इसलिए उन्होंने आवेग में संविधान को जलाने की बात कही थी।

स्मृतियां

हरनाम सिंह

विषपायीजी- स्मृतियों का ऋण- अतीत की जुगाली

अपने जीवन काल में जिन लोगों से सर्वाधिक निकटता और आत्मीयता रही है उनके बारे में लिखना मेरे लिए दुष्कर कार्य रहा है। एक उदासी और अवसाद भरा सोच ज़हन पर हावी रहता है, आज मैं जिस शख्सियत के बारे में मैं कुछ बता रहा हूं, उसके बारे में किसी को जानने की रुचि भी होगी ? संशय तो बना रहेगा। बाबूलाल माली 'विषपायी' जिन्होंने अपना पूरा जीवन समतामूलक समाज की स्थापना के लक्ष्य को समर्पित कर पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को निष्ठा के साथ निभाया है, उन्हें याद कर अपराध बोध से भरा हूं,खुद से ही पूछ रहा हूं कि क्या स्मृतियों का ऋण चुकाया भी जा सकता है? थोड़ा व्यवस्थित हुआ तो खोई स्मृतियों की तलाश में एक लिफाफा मिला, जिसमें अग्रणी साथी समाजवादी समाज के प्रबल आकांक्षी बाबूलाल माली विषपायी के कुछ पत्र थे।

मित्र मंडली में बाबूलाल माली जी का उल्लेख माली जी, बाबूजी अथवा विषपायी जी के संबोधन से ही होता था। मेरी उनसे मुलाकात कमल जैन के मार्फत हुई थी। समय का वह दौर था जब हम समझते थे कि देश क्रांति के दरवाजे पर खड़ा है, बस एक धक्के की जरूरत है। संभवतः वर्ष 1970 से 1975 का वह समय था, जब सम-सामयिक मुद्दों को लेकर मार्क्स और लोहिया से होती हुई लंबी तीखी बहसें सदैव अनिर्णित ही रहती थी। प्रारंभ में माली जी से कमल के साथ ही मुलाकात होती थी। जब वे मल्हारगढ़ में नियुक्त थे तब और उसके बाद मंदसौर में उनका रेलवे क्वार्टर तत्पश्चात अभिनंदन कॉलोनी का आवास गप्प गोष्ठी का श्रेष्ठ अड्डा आजीवन बना रहा। उम्मीद और जोश से लबालब बाबूजी के परिवार में हमारा सदैव खुशनुमा स्वागत होता था। माली जी ने संवाद का जरिया पोस्टकार्ड को बनाया वे सभी मित्रों से इसी माध्यम से जुड़े रहते थे।

मेरे पत्र संग्रह में अनेक पोस्ट कार्ड के साथ उनका एक अंतर्देशीय पत्र भी है। 1976 का समय आपातकाल का था जिसमें हम जैसे संदिग्ध लोगों की डाक सेंसर होती होगी, क्योंकि कूट भाषा में लिखा उनका पत्र मुझे एक माह के बाद मिला। उन्होंने लिखा, मैंने समझा। बीच में पढ़ने वाला कुछ समझ नहीं पाया होगा। 28 अगस्त 1976 को लिखा वह पत्र 29 सितंबर 76 को मुझे मिला। आक्रोश भरे खत में उन्होंने मुझसे पूछा कि 'क्या मुझे लगता है कि मेरे व्यक्तित्व में लापरवाही है, दुश्मन की नीचता से अनभिज्ञ हूं.... आगे... कुत्तों की नीचता से मित्र में मानसिक रूप से इतना अधिक जानकार हूं कि मैं उन्हें अपनी लाश को भी छूना अपनी तौहीन मानता हूं।'

इस गुस्से और आक्रोश का संदर्भ यह था कि देश में आपातकाल लागू था। हर और भय और संशय का माहौल था। हम जितना और जो किया जा सकता था, कर रहे थे। आपातकाल घोषित होने के पूर्व से ही मैं वाम साहित्य और पत्रिकाएं बेचता था। कतिपय प्रकाशकों से मेरे संपर्क भी थे। इसी जानकारी के आधार पर माली जी अपने किसी मित्र के साथ मेरी दुकान पर आए। चर्चा में उन्होंने बताया कि वे आपात काल के विरोध में एक पर्चा छपवाना चाहते हैं। स्मरण रहे कि उस दौर में यह सब गतिविधियां कठोरता से प्रतिबंधित थी। उस समय तो मैंने उन्हें टाल दिया क्योंकि अपने जिस मित्र के साथ वे आए थे उनसे मैं परिचित नहीं था।

संग्रह में 1976 के बाद लगभग 26 वर्ष पश्चात के दो पत्र 2002 के हैं। उस वर्ष में एक संगठन के साथ 'स्वदेशी आंदोलन' से जुड़ गया था। इस हेतु सभी मित्रों को याद किया गया था। पत्र में माली जी ने मेरे लक्ष्य की सराहना करते हुए लिखा कि संगठन का गायत्री परिवार और आर्य समाज से जुड़ाव उन्हें ठीक नहीं लगता। आखिरकार मुझे भी उस अभियान से दूरी बनानी पड़ी। पढ़ना-लिखना उनका जुनून था। वर्ष 2005 में मुझे स्थानीय दैनिक समाचार पत्र 'ध्वज' के आद्य संपादक दिवंगत राजमल लोढ़ा स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। पुरस्कार समारोह के अतिथि कलेक्टर और एसपी थे। माली जी ने मुझे बधाई देते हुए लिखा कि 'यह और अच्छा लगता यदि तुम्हारा पुरस्कार प्राप्त करने का फोटो किसी पत्रकार के हाथों होता, तुम तो जानते हो अपुन इस प्रथम श्रेणी वर्ग के प्रारंभ से ही विरोधी हैं।'

19 अक्टूबर 2007 का एक पत्र जो संभव है। प्रलेसं इकाई की किसी बैठक के संदर्भ में था उन्होंने लिखा 'उस दिन में ताजा-ताजा पढ़कर आया, क्रोध से भरा हुआ था। उत्साह में भी था। आते ही मैंने कहा की बजरंगियों की हरकतों के कारण निंदा प्रस्ताव लाया जाए, तुमने बगैर एक सेकंड गंवाए उस पर स्याही फेर दी ...अब मैं सहनशील हो गया हूं। मुझे सुनकर नागवार लगा... उस दिन की घटना का खुमार उतरा तो तुम्हें पत्र लिख रहा हूं। मैं नॉर्मल हूं तुम भी नॉर्मल हो जाना। ऐसे स्नेही मार्गदर्शक साथी के व्यक्तित्व का हम पर्याप्त मूल्यांकन नहीं कर पाए हैं।'

संग्रह में सर्वाधिक पत्र वर्ष 2008 के हैं। मार्च 2008 के अंतिम दिनों में प्रलेसं का राज्य सम्मेलन होना था। सभी साथी आयोजन की सफलता के लिए जुटे हुए थे। बाबूजी भी अर्थ और श्रम साध्य गतिविधियों को लेकर चिंतित रहते थे। इस बीच 7 फरवरी 2008 को लिखे पत्र में उन्होंने कहा 'कामरेड तुम्हें और कमल को अपनी सुविधा से दो टुकड़ों में अवकाश लेना आवश्यक है।' आगे उन्होंने लिखा की 'रात- दिन इसी बात की चिंता है कि कब हम स्वयं को धन संग्रह की दृष्टि से संतुष्ट पाएंगे। राज्य सम्मेलन की तैयारी के दौरान हमने बाबूजी के अतिरिक्त जोश और उनके स्वास्थ्य को देखते हुए कहा था कि हमें जब आपकी जरूरत होगी तब बुला लेंगे। एक पत्र में उन्होंने लिखा ÷मैं अपना सक्रिय योगदान नहीं दे पा रहा हूं, उसके लिए अपने अंदर अच्छा अनुभव नहीं कर रहा हूं।'

31 मार्च 2008 को राज्य सम्मेलन संपन्न होते ही माली जी वर्धा पहुंच गए और वहां बीमार पड़ गए। अपने पत्र में उन्होंने राज्य सम्मेलन की सफलता पर कमल सहित सभी साथियों को बधाई दी। 28 जून 08 के पत्र में उन्होंने रतलाम से प्रकाशित साप्ताहिक 'उपग्रह' के बारे में बताया कि अखबार का संपादक मंदसौर में अपना प्रतिनिधि नियुक्त करना चाहता है। वे चाहते थे कि मैं इस ऑफर को स्वीकार कर लूं। तत्कालीन सरकार द्वारा अमेरिका से परमाणु समझौता किया गया था। उसे समझाने के लिए प्रलेसं इकाई ने एक पर्चा प्रकाशित किया था। 'परमाणु समझौते का विरोध क्यों ?' 5 अगस्त 08 को एक पत्र में उन्होंने लिखा कि 'समझौते के समर्थन और विरोध पर काफी छपा है, मैं दिगभ्रमित हूं। फिर भी परचे में छपे विचारों का समर्थन करता हूं।'

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई थी। सभा में अपने संबोधन में बैंक कर्मी नेता महेश मिश्रा ने छत्रपति शिवाजी द्वारा किए गए गुरिल्ला युद्ध की पैरवी की। माली जी उनसे असहमत थे। 4 अगस्त 2008 को लिखे पत्र में उन्होंने इस संबंध में मुझसे मेरी राय पूछी।

6 अगस्त 2008 को नई दुनिया कार्यालय पर तीन जुड़े हुए पोस्टकार्ड मिले। क्योंकि एक कार्ड में माली जी की बात पूरी नहीं हो पाई होगी। संदर्भ तो मुझे याद नहीं लेकिन संभवतः लायनेस क्लब के किसी आयोजन में मेरी उपस्थिति पर व्यंग्य करते हुए उन्होंने लिखा शेरनियों के बीच लाल लंगोट वाले शेर का होना गैर मुनासिब नहीं है। डीयर ये तमाम क्लब क्रांति को डाइल्यूट करते हैं। इससे तुम ना वाकिफ नहीं हो।

'नई दुनिया' के लिए मैंने एक स्टोरी की थी जिसमें रक्षाबंधन पर्व पर उन भाई-बहनों को सामने लाया गया था जो अलग-अलग मजहब के थे। इस स्टोरी को पढ़कर बाबूजी बहुत खुश हुए। 18 अगस्त 2008 को लिखे पत्र में उन्होंने मेरी प्रशंसा की और लिखा 'डियर अपुन ने मुस्लिम होटल में सन् 53 में ही चाय पान कर लिया था।'

अवकाश के दिनों में कुछ ठिकाने थे जहां गप्प गोष्ठी होती थी। बाबूजी के आवास के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड शिवनारायण कश्यप का कार्यालय भी उनमें से एक था। एक बार मैं कमल जैन और केसरी सिंह चिडार (जो उसे समय मंदसौर प्रलेसं के अध्यक्ष भी थे) बाबूजी के आवास पहुंचे, बातचीत में हमने उन्हें बताया कि कामरेड कश्यप आपकी बहुत प्रशंसा करते हैं आदि...7 मार्च 2010 को उस प्रसंग की चर्चा करते हुए उन्होंने मुझे लिखा 'हिंदी साहित्य के ज्ञाता कामरेड कश्यप द्वारा उन्हें याद करना सौभाग्य की बात है। बाबूलाल माली की 75 वर्ष की उम्र में यही पूंजी और उपलब्धि है।' अधिकांश पत्रों में माली जी परिवार के अन्य सदस्यों की कुशलता के बारे में पूछना नहीं भूलते थे। लगभग एक वर्ष मैं उनका पड़ोसी था। मेरे मकान के मार्ग से ही उनका आवागमन होता था। अमूमन बाबूजी के यहां हम बिना सूचना दिए ही पहुंच जाया करते थे। सितंबर 2011 की कोई शाम थी। हम कई मित्र उनके घर पहुंचे तो ज्ञात हुआ कि इलाज के लिए मुकेश उन्हें इंदौर ले गया है। फोन लगाया तो खनकती आवाज में मिलने आने की पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने बताया कि अभी तो मार्ग में है। लेकिन तुम लोग चाय पीकर ही जाना। पुनः शीघ्र मिलने के वायदे के साथ संवाद समाप्त हुआ। 29 सितंबर 2011 को खबर मिली कि उनका निधन हो गया है। एक अनवरत पत्राचार के सिलसिले को खामोशी भरा विराम मिला।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस

बाल मुकुन्द ओझा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बौद्धिक संपदा अधिकार व्यवस्था में सुधार की जरूरत

अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की श्रृंखला में हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस, 2024 की थीम नवाचार और रचनात्मकता के साथ हमारे साझा भविष्य का निर्माण रखी गई है। यह दिवस आईपी कार्यालयों, उद्यमों और अन्वेषकों को नए नवाचारों के बारे में चर्चा करने और एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है जो दुनिया को आकार देने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेगा। बौद्धिक संपदा (आईपी) का अर्थ संपत्ति से है, जो बुद्धिमत्ता से सृजित हुई हो जैसे कि आविष्कार, पुस्तकें, चित्रकला, गीत, प्रतीक चिह्न, नाम, चित्र, या व्यापार में इस्तेमाल किया गया डिजाइन आदि। आईपी ऐसी संपत्ति है जिसे छुआ या देखा नहीं जा सकता है और यह व्यक्ति की बुद्धिमत्ता, कड़ी मेहनत और कौशल का उत्पाद है। इस दिन की शुरुआत विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा साल 2000 में दुनिया भर में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिज़ाइन की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने और रोजमर्रा के जीवन पर रचनाकारों द्वारा समाज के विकास में किए गए योगदान को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। देश और दुनिया में आज बौद्धिक संपदा का महत्व तेजी से बढ़ता जा रहा है। यह ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का आधार है। अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में इसका महत्व होने के कारण यह उद्यमों की प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए उत्तरोत्तर प्रासंगिक व महत्वपूर्ण होती जा रही है। मनुष्य अपनी बुद्धि से कई तरह के आविष्कार और नई रचनाओं को जन्म देता है। उन विशेष आविष्कारों पर उसका पूरा अधिकार भी है लेकिन उसके इस अधिकार का संरक्षण हमेशा से चिंता का विषय भी रहा है। यहीं से बौद्धिक संपदा और बौद्धिक संपदा अधिकारों की बहस प्रारंभ होती है। यदि हम मौलिक रूप से कोई रचना करते हैं और इस रचना का किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गैर कानूनी तरीके से अपने लाभ के लिये प्रयोग किया जाता है तो यह रचनाकार के अधिकारों का स्पष्ट हनन है।

व्यक्तियों को उनके बौद्धिक सृजन के परिप्रेक्ष्य में प्रदान किये जाने वाले अधिकार ही बौद्धिक संपदा अधिकार कहलाते हैं। वस्तुतः ऐसा समझा जाता है कि यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार का बौद्धिक सृजन (जैसे साहित्यिक कृति की रचना, शोध, आविष्कार आदि) करता है तो सर्वप्रथम इस पर उसी व्यक्ति का अनन्य अधिकार होना चाहिये। चूँकि यह अधिकार बौद्धिक सृजन के लिये ही दिया जाता है, इसलिए इसे बौद्धिक संपदा अधिकार कहा जाता है।

बौद्धिक संपदा से अभिप्राय है- नैतिक और वाणिज्यिक रूप से मूल्यवान बौद्धिक सृजन। बौद्धिक संपदा अधिकार प्रदान किये जाने का यह अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिये कि अमुक बौद्धिक सृजन पर केवल और केवल उसके सृजनकर्त्ता का सदा-सर्वदा के लिये अधिकार हो जाएगा। यहाँ पर ये बताना आवश्यक है कि बौद्धिक संपदा अधिकार एक निश्चित समयावधि और एक निर्धारित भौगोलिक क्षेत्र के मद्देनज़र दिये जाते हैं।

बौद्धिक संपदा अधिकारों का मूल उद्देश्य मानवीय सृजनशीलता को प्रोत्साहन देना है। बौद्धिक संपदा अधिकारों का क्षेत्र व्यापक होने के कारण यह आवश्यक समझा गया कि क्षेत्र विशेष के लिये उसके संगत अधिकारों एवं संबद्ध नियमों आदि की व्यवस्था की जाए। भारत सरकार ने भारतीय क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा के लिए, वैधानिक, प्रशासनिक और न्यायिक ढांचा स्थापित किया है।

अमेरिका चैंबर्स ऑफ कॉमर्स की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा सूचकांक 2023 में भारत 55 प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार भारत उन उभरते बाज़ारों का नेतृत्त्व करने हेतु सक्षम है जो आईपी संचालित नवाचार के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्था को बदलना चाहते हैं। अंतर्राष्ट्रीय आईपी सूचकांक में अमेरिका सबसे ऊपर है, इसके बाद यूनाइटेड किंगडम और फ्राँस का स्थान है। गौरतलब है गति भले ही धीमी हो मगर भारत द्वारा किसी भी देश की तुलना में अपनी रैंकिंग में समग्र वृद्धि दर्ज की गई है। देश की इस वृद्धि को बनाए रखने के लिये भारत को अपने समग्र बौद्धिक संपदा ढाँचे में परिवर्तनकारी बदलाव लाने की दिशा में अभी और काम करने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं मज़बूत बौद्धिक संपदा मानकों को लगातार लागू करने के लिये गंभीर कदम उठाए जाने की भी ज़रूरत है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की औद्योगिक विकास संस्था ने अपने एक अध्ययन में यह प्रमाणित किया है कि जिन देशों की बौद्धिक संपदा अधिकार व्यवस्था सुव्यवस्थित है वहाँ आर्थिक विकास तेज़ी से हुआ है। भारत को 'पेटेंट, डिजाइन, ट्रेडमार्क्स और भौगोलिक संकेतक महानियंत्रक को चुस्त एवं दुरुस्त बनाने की आवश्यकता है।

दूल्हा-दुल्हन ने दाम्पत्य जीवन के नए वचनों के साथ लिया लोकसभा निर्वाचन में मतदान करने का वचन

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं स्वीप नोडल अधिकारी अक्षत जैन के निर्देशानुसार नगर परिषद बैतूलबाजार में निर्वाचन संबंधी विभिन्न आयोजन किये जा रहे हैं।

इसी के तहत गुरुवार को चुनाव का पर्व देश का गर्व, मेरा पहला वोट देश के लिए की थीम पर मतदाताओं को जागरूक करने हेतु नगर परिषद बैतूलबाजार में विभिन्न स्थानों पर मतदाताओं को जागरूक करने, शादी के महोत्सवों के साथ मतदान के महत्व को बताकर शादी के वचनों के साथ मतदान का भी वचन लिया और आने वाली 7 मई को मतदान किये जाने हेतु प्रेरित किया। लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत मतदान करने की अपील की गई। इस अवसर पर नगर परिषद बैतूलबाजार सीएमओ विजय तिवारी द्वारा भी लोगों को मतदान करने की अपील की गई।

इसी तरह ग्राम आदर्श धनोरा भीमपुर में आयोजित विवाह समारोह में

वधु रितु एवं वर शुभम ने सात फेरे, सात वचन के बाद आठवां वचन मतदान का लिया। यह शादी मतदान प्रेरक रही। इस तरह की क्षेत्र में यह पहली शादी है। दूल्हा-दुल्हन ने घराती-बराती दोनों तरफ से शादी में शामिल लोगों को इस लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए शपथ दिलाई। ग्रामीण भी इस अनूठी शादी के सहभागी बने। शादी को मतदान प्रेरक बनाने के लिए इंद्रजीत सिंह कश्यप आजाद, वधू के चाचा मुकेश आर्य ने मतदान प्रेरक प्रस्ताव दोनों परिवार के बीच रखा था। शादी के मंडप को भी आयोजकों ने मतदान प्रेरक बनाया जिसमें सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो, हां मतदाता हूं, भारत भाग्य विधाता हूं के जागरूकता स्लोगन से संदेश दिया। ग्रामीण कमलेश आर्य, श्याम आर्य, पुष्पा चौहान, अश्वनी बिहारे ने मतदान जागरूकता के लिए विवाह में सबको जागरूक किया। 7 मई को मतदान करने की अपील की। स्कूली छात्राओं और महिलाओं ने ग्राम सिमोरी व धनोरा में मतदान वाली मेहंदी भी लगाई।

बी.आर.ए. शिक्षा महाविद्यालय का रिजल्ट रहा शत-प्रतिशत

राजा शंकरशाह विवि छिंदवाड़ा द्वारा घोषित किया बी.एड. तृतीय सेमेस्टर रिजल्ट

बैतूल। भीमराव रामराव अंबेडकर शिक्षा महाविद्यालय बैतूल का वर्ष 2023-24 का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा है। जिसमें टाप स्थान पर योगिता कालभोर 92 प्रतिशत प्रथम श्रेणी में उर्त्तीण हुइ। इसके अलावा प्रथम स्थान पर रूपाली बनखेडे, द्वितीय स्थान पर कृतिका यादव, रोशनी देशमुख 91 प्रतिशत रहे, तृतीय स्थान पर निवेदिता त्रिपाठी 91 प्रतिशत के साथ रही। कॉलेज के संचालक ध्रुवप्रकाश अग्रलवाल तथा कालेज प्रबंधन, प्राचार्य एवं सभी स्टाफ ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हे बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कमल नारायण जायसवाल का निधन

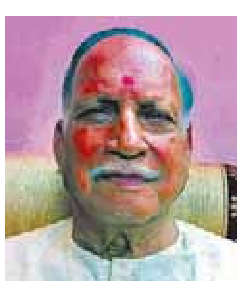

बैतूल। अपने जमाने के प्रसिद्ध फोटोग्राफर कमल नारायण जायसवाल का आज लम्बी बीमारी के बाद दुखद निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा बुधवार दोपहर 1 बजे उनके निज निवास सिविल लाईस बैतूल से निकाली गई एवं अंतिम संस्कार गंज मोक्षधाम में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में गणमन नागरिक, जनप्रतिनिधिगण, मित्रगण एवं परिजन शामिल हुए। श्री जायसवाल के निधन पर परिजनों, शुभचिंतकों, ईष्टमित्रों, सामाजिक बंधुओं ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए, और शोक संतृप्त परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना की है।

बेटी की लव मैरिज से नाराज परिवार ने लड़के के पिता को पीटा

बैतूल। बेटी के लव मैरिज करने से नाराज एक दम्पत्ति ने लडके के बीमार पिता की पिटाई कर दी है। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार मुलताई निवासी नंदकिशोर चोपड़े के बेटे अमन ने सात महीने पहले पड़ोस की स्वजातीय युवती से शादी कर ली थी। घर से भागे इस जोड़े ने लव मैरिज करने के बाद कुछ दिन पहले ही घर वापसी की थी। नंदकिशोर ठेकेदारी का काम करता था, लेकिन कुछ दिन पहले वह पैरालिसिस से पीड़ित हो गया था। अमन के घर वापस घर वापस लौटने की खबर मिलने पर बुधवार पड़ोस में रहने वाले दंपती ने अपने बेटे और उसके एक अन्य साथी के साथ नंदकिशोर के घर में पिछले दरवाजे से घुसकर जमकर पिटाई कर दी। इस पिटाई में नंदकिशोर को सिर में गंभीर चोट आई है। उसे पहले मुलताई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। जहां से उन्हें रात में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मुलताई पुलिस को घटना की तहरीर भेजी गई है। जिस आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

शिविर संपन्न, छात्राओं की हुई जांच

बैतूल। पीएम श्री एकीकृत हाईस्कूल खेड़ीसांवलीगढ़ में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन छात्र-छात्राओं के लिए किया गया। जिसमें दंतरोग चिकित्सक डॉ.दिव्या पांडे, नेत्र सहायक सीएचसी सुरेश गढ़ेकर, नर्सिंग ऑफिसर माधुरी धोटे, सीएचसी सेहरा, सीएचओ, एएनएम आशा सहयोगी एवं अन्य स्टॉफ ने अपनी सेवाएं दी। प्राचार्या डॉ.नूतन भार्गव ने बताया कि इस परीक्षण शिविर में छात्र-छात्राओं और पालकों का परीक्षण किया गया। जिसमें दो छात्राएं हाईली एनिमिक, एक छात्रा सीकलसेल, एक छात्रा लर्निडिस आर्डर आहार एक छात्रा त्वचा रोग और एक छात्रा को गले का रोग पाया गया। इन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल बुलाया गया। इस अवसर पर शाला स्टॉफ के शिक्षक-शिक्षकाओं सेवंती इवने, सारंगा पंद्राम, अनिता उइके, लक्ष्मी नारायण डोंगरे, अल्कारानी, सुनील कुमार धुर्वे, पतिराम टेकाम, लक्ष्मीनारायण सोनी, ज्योति पाटिल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और पालकगण मौजूद थे।

बड़ी माता मंदिर में चोरी की घटना, चोरों ने तोड़ी दान पेटी

बैतूल। चोरी की घटनाएं निरंतर बड़ती जा रही हैं। चोरो का कोई दीन-ईमान भी नही होता है। विगत दिनों बीएसएनएल आफिस के पास शनि मंदिर में चोरी की घटना हुई थी। अब ताजी घटना गंज के प्राचीन बड़ी माता मंदिर की है। मंदिर समिति के प्रवीण पम्मा विहारे ने बताया कि चोरी की सूचना गंज थाना प्रभारी को दे दी गई है। सचिव नितिन पप्पू शर्मा ने बताया कि 24 अप्रैल की दरमियानी रात में बड़ी माता मंदिर गंज में चोरी की घटना कारित हुई है। योगेश यागू शर्मा ने बताया कि मंदिर की दो दान पेटियों को अज्ञात चोर के द्वारा तोड़कर उसमें से लगभग 20 हजार रूपए की चोरी हुई है। सोमेश त्रिवेणी के बताया कि इस चोरी की घटना से श्रद्धालुओं में आक्रोश व्याप्त है। आवेदन में अज्ञात चोरों को शीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

दसवीं के छात्र ने फेल होने पर किया जहरीले पदार्थ का सेवन,हालत गंभीर, निजी अस्पताल में चल रहा है उपचार

बैतूल /मुलताई। मुलताई में कक्षा दसवीं के नाबालिग छात्र को गंभीर जहरीला पदार्थ सेवन करने के कारण गंभीर अवस्था में मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया । जहां से उसे रेफर करने के बाद में नगर के एक निजी अस्पताल में लेकर आया गया है। बताया जा रहा है कि उक्त युवक कक्षा दसवीं का छात्र है और कल आए परीक्षा परिणाम मे वह फेल हो गया था जिसके चलते कीटनाशक का सेवन कर लिया।

परिजन उसे गंभीर हालत में मुलताई के एक प्राइवेट अस्पताल में लेकर आए हैं। जहां उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है की छात्र की हालत गंभीर है, और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। डॉक्टर का कहना है कि कीटनाशक से बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है।

बताया जा रहा है कि छात्र दुनावा निवासी है जिसकी उम्र 16 साल है। परिजनों का कहना है कि वह लोग एक शादी में गए हुए थे और रात में जब घर पहुंचे तो बच्चा बेहोश पड़ा था जिसके बाद उसे पहले मुलताई की सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में उसे एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है जहां उसका उपचार जारी है। डॉक्टर का कहना है की छात्रा की हालत गंभीर बनी हुई है उसे आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया है। इधर बालक के पिता का कहना है कि रिजल्ट आने के पहले उन्होंने बच्चों से कहा था कि वह भी हमारे साथ शादी में चले,लेकिन अमन ने शादी में जाने से मना कर दिया और कहा कि आप लोग शादी से आ जाइए मैं घर पर ही रहूंगा। परिणाम आने से पहले ही अमन मायूस हो गया था, परिजनों ने उसे समझाया था कि मेहनत करके परीक्षा पास की जा सकती है,इसलिए तनाव लेने की आवश्यकता नहीं है

ट्रेक्टर ने बाइक सवार युवकों को कुचला दो की मौत, ट्रक की टक्कर से महिला की गई जान

बैतूल। जिले में वाहनों से हादसे होने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। वाहनों को ओवरटेक करने और कुछ जगह खस्ताहाल सड़क इन हादसों का कारण बन रहे हैं। शाहपुर में पिछले 24 घंटे में जिले के दो स्थानों पर अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की जान चली गई। एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। पहला हादसा चिचोली थाना क्षेत्र के दामजीपुरा के पास हुआ। यहां बुधवार रात एक ट्रैक्टर ने बाईक सवाल दो युवकों को कूचल दिया। दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। हादसा झिरना बटकी और गुल्लरढाना के बीच का है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भीमपुरखंड के दामजीपुरा के पास ग्राम झिरना बटकी और गुल्लरढाना के बीच ट्रैक्टर ने बाईक को टक्कर मार दी। हादसे में नहरपुर निवासी मुकेश पिता रामू काकोड़िया (22) और संतोष पिता लालसिंह (24) की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान गुल्लरढाना और झिरना बटकी के पास तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर को उन्होंने ओवरटेक किया। जैसे ही ओवरटेक किया वैसे ही जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज रफ्तार में हुई कि दोनों बाइक सवार युवक कई दूर तक जा गिरे। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर चिल्लौर से भंवईपुर जा रहा था। सूचना मिलते ही ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। दोनों के शव का पंचनामा बनाकर कार्यवाही करने के बाद भीमपुर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाए गए हैं। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर विवेचना शुरू कर दी है।

मायके जा रही महिला की दर्दनाक मौत

नेशनल हाईवे पर गुरुवार की दोपहर को सड़क दुर्घटना में अपने मायके जा रही महिला की दर्दनाक मौत हो गई। बाइक चालक गंभीर अवस्था में घायल हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सातलदेही निवासी प्रमोद अपनी पत्नी रामप्यारी के साथ अपने ससुराल सुखतवा जा रहा था। धापड़ा जोड़ के पास ट्रक ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी और भागने लगा। इस दौरान ट्रक का पहिया महिला के पैर के ऊपर से गुजर गया। घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन चला रहे पति प्रमोद के चेहरे एवं हाथ और पैर में चोट आई है।

जनजागरूकता और जनसहभागिता के साथ मनाया विश्व मलेरिया दिवस

उत्कृष्ट कार्य के लिए आशा कार्यकर्ता और आशा पर्यवेक्षिका हुई सम्मानित

बैतूल। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिचोली में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। सीबीएमओ चिचोली डॉ.राजेश अतुलकर ने बताया कि प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाकर आमजन को मलेरिया रोग से बचाव और नियंत्रण पर जागरूक किया जाता है। इस वर्ष की थीम अधिक न्यायसंगत विश्व के लिए मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में तेजी लाना है जिसके लिए विकास खण्ड चिचोली से बीईई अनिल कटारे, बीपीएम विनीत आर्य, बीसीएम नीलेश सूर्यवंशी, एमटीएस पंकज डोंगरे के मैनेजमेंट और समस्त स्वास्थ्य यूनिट, प्रयोगशाला तकनीशियन के सहयोग से विकास खण्ड के समस्त ग्रामों में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया है। साथ ही एमटीएस पंकज डोंगरे द्वारा राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियन्त्रण कार्यक्रम अंतर्गत वनांचल में नियमित बुखार सर्वेक्षण, पूर्व में कीटनाशी मच्छरदानी वितरण कार्य में उद्देश्यपरक और उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा पर्यवेक्षिका सेक्टर चिरापाटला श्रीमती शालू सिवनकर सहित वन ग्रामों की 20 आशाओं को ट्रॉफी और सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया। स्वास्थ्य टीम चिचोली द्वारा आमजन से बुखार आने पर खून की जांच, सोते समय मच्छरदानी लगाए जाने, एक सप्ताह से ज्यादा पानी जमा नही होने देने के साथ मच्छर से बचाव के बताये गए हर कारगर उपायों को दैनिक व्यवहार में लाये जाने की अपील की गई।

दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में चार लोग घायल

मोटरसाइकिल दुर्घटना में तीन एवं बालिका पर गिरी जामुन की डाल

बैतूल /मुलताई। मुलताई क्षेत्र में दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है गुरुवार को अलग-अलग दो दुर्घटना हुई जिसमें एक 15 साल की लड़की के ऊपर जामुन की डाली गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई वही बैतूल से मुलताई मालेगांव अपने घर आ रहे हैं एक परिवार की मोटरसाइकिल मोही ग्राम के पास हाईवे पर अनियंत्रित हो गई जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार एक परिवार मोटरसाइकिल से बैतूल से मालेगांव आ रहा था कि ग्राम मोही के पास अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई जिसमें सुनील पिता साहेबराव खंडारे उम्र 40 निवासी मालेगांव को गंभीर चोट आई है एवं, लक्ष्मी खंडारे पिता सुनील 14 वर्ष निवासी मालेगांव, प्रियांशु वागमारे पिता संजय उम्र 15 वर्ष निवासी मालेगांव को मामूली चोट है। जिन्हे 108 एम्बुलेंस के ईएमटी महेश झलिये के द्वारा प्राथमिक उपचार करते हुए पायलेट अजब राव साहू के साथ मुलताई सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती

कराया गया।

पेड़ की डाल गिरने से बालिका हुई घायल

निकटतम ग्राम अंबरी निवासी 15 वर्षीय बालिका जामुन के पेड़ से डाल टूटकर गिराने से गंभीर गंभीर रूप से घायल हो गई समीक्षा पिता प्रकाश गाठे 15 वर्ष लड़की निवासी अंबोरी पट्टन ब्लॉक में जामुन के पेड़ से बंधी बकरी को छोड़ने गई थी उसी समय जामुन की डाल टूट कर उस पर गिरने से पीट में फैक्कर होने से गंभीर हालत में 108 एम्बुलेंस के ईएमटी महेश झलिये के द्वार प्राथमिक उपचार करते हुए प्रभात पट्टन के सरकारी हॉस्पिटल में पायलेट अजब राव साहू जी के साथ भर्ती करवाया गया।

दुनावा में आंधी तूफान वर्षा के साथ हुई ओलावृष्टि

शादी का टेंट उड़ा, पेड़ टूटे ,दो लोग घायल

बैतूल /मुलताई। मुलताई क्षेत्र में मौसम की बेरुखी का दौर जारी है बीते तीन दिनों से मुलताई नगर सहित आसपास के क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ हो रही वर्षा और ओलावृष्टि ने जन जीवन अस्त-व्यस्त कर रखा है। क्षेत्र में हो रही बे - मौसम बरसात, तेज आंधी,ओलावृष्टि ने एक बार फिर किसनो की चिंताएं बढ़ा दी है। बीती रात दुनावा में आंधी तूफान के साथ बहुत तेज बारिश हुई साथ ही बेर के आकार के ओले भी गिरे । हवाओं की रफ्तार का अनुमान इस बात से लगाया

जा सकता है कि आंधी तूफान से कई पेड़ उखड़ गए और अनेक पेड़ों की डालियां टूट कर रोड पर गिर गई। कई दुकानों के टीन सेट भी उड़ गए। दुनावा से दुनाई पहुंच मार्ग पर एक पेड़ गिरने के कारण रोड जाम हो गया जिसे गुरुवार सुबह जेसीबी द्वारा हटाकर रोड का आवागमन शुरू किया गया। साथ ही दुनावा में पलाश कड़वे के फार्म हाउस पर दुनावा के ही परसराम साहु की बेटी की शादी थी बारात मंडप में पहुंचने वाली थी कि तेज बारिश और आंधी आने लगी जिससे बाराती रास्ते में ही रुक गए और शादी का पूरा मंडप और टेंट उखड़ गए जिससे टेंट के दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हो गए जिन्हें तत्काल ही मुलताई स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में नियुक्त सामान्य प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक एवं पुलिस प्रेक्षक को स्थानीय मोबाईल नंबर आवंटित

धार। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अंतर्गत धार जिले में सामान्य प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक एवं पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किये जाकर प्रेक्षकों को मोबाईल नंबर आवंटित किये गये है। जिसमें व्यय प्रेक्षक शमशाद आलम आईआरएस (सीसीई) 2004 को मोबाईल नंबर 9406943155 आवंटित किया है। वे सर्किट हाउस धार के कक्ष क्रमांक-3 में ठहरेंगे। इसी प्रकार सामान्य प्रेक्षक हिमांशु कुमार राय आईएएस-2010 का मोबाईल नंबर 9406940316 है, वे सर्किट हाउस धार के कक्ष क्रमांक-1 में ठहरेंगे। पुलिस प्रेक्षक निर्लिप्त राय आईपीएस-2010 को मोबाईल नंबर 9406870325 आवंटित किया है। श्री राय सर्किट हाउस धार के कक्ष क्रमांक-2 में ठहरेंगे।

सीएम राइज स्कूल में समर कैंप 27 अप्रैल से 6 मई तक आयेजित होगा

धार। आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग भोपाल के निर्देशानुसार सीएम राइज स्कूल धार में निःशुल्क समर कैंप का आयोजन 27 अप्रैल से 6 मई तक किया जाएगा। इस शिविर में शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के विद्यार्थी निःशुल्क रूप से भाग ले सकते हैं। सीएम राइज स्कूल धार के प्राचार्य डॉ स्मृति रत्न मिश्र ने बताया कि विद्यार्थी शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सह शैक्षणिक गतिविधियों में भी निपुण हो, यह शिविर का उद्देश्य है। शिविर पूर्णतः निःशुल्क है तथा शिविर में 10 दिन तक प्रतिदिन सुबह 7.30 बजे से 11 बजे तक विभिन्न विधाओं में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। शिविर में आयोजित की जाने वाली विधाओं में संगीत, गायन, वादन, लोकगीत, नृत्य प्रशिक्षण, सिलाई कढ़ाई, क्राफ्टआर्ट, लीफ आर्ट, साहित्यिक गतिविधियां, कंप्यूटर प्रशिक्षण, मेडिटेशन, व्यक्तित्व विकास, स्काउट गाइड, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, खेलकूद आदि प्रमुख है। कैंप में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शासकीय एवम अशासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों से भाग लेने की अपील की है।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया गाडरवारा के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के तहत होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र नरसिंहपुर, तेदूखेड़ा व गाडरवारा में शुक्रवार 26 अप्रैल को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले व पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर एवं एसपी ने ग्राम नांदनेर, बारहबड़ा, चीचली, खुरसीपार, सालीचौका में बनाये गये मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि मतदान केंद्र पर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता हो।मतदान का प्रतिशत बेहतर हो। वही मतदान दलों के पीठासीन अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देशानुसार अपने-अपने मतदान केन्द्र में वास्तविक मतदान प्रारंभ करने के डेढ़ घंटे पहले मॉक पोल कराकर वास्तविक मतदान प्रारंभ कराने के निर्देश दिये।पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से मतदान केन्द्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया एवं सुरक्षा के आवश्यक निर्देश दिये। मतदान केन्द्रों में की गई तैयारियों एवं मतदान दलों के रूकने, भोजन के सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केन्द्र में पेयजल, साफ- सफाई, टेंट, व्हील चेयर, मेडिकल किट, रैम्प, शौचालय आदि व्यवस्थाओं को देखा और आवश्यक निर्देश दिये।

भोपाल में सिलेंडर की आग में झुलसी महिला की मौत

- खाना बनाते समय निकल गया था सिलेंडर का पाइप, बचाने के प्रयास में बेटी भी झुलसी

भोपाल (नप्र)। खाना बनाते समय रसोई गैस सिलेंडर का पाइप निकल गया। इससे सिलेंडर ने आग पकड़ ली। हादसे में महिला बुरी तरह से झुलस गई। बचाने के प्रयास में महिला की बेटी भी गंभीर रूप से झुलस गई थी। इलाज के दौरान शुक्रवार की सुबह मां की मौत हो गई। बेटी का उपचार चल रहा है। मामले में गौतम नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक ज्योति श्रीवास (46) पत्नी विजय श्रीवास गृहिणी थी। उनके पति एक निजी हॉस्पिटल में नौकरी करते हैं। बीते रविवार को पति ड्यूटी पर थे, बेटा मोहित बाहर गया था। विजय ने बताया कि पत्नी ज्योति और बेटी सलोनी (18) घर में थीं। पत्नी डिनर की तैयारी कर रही थी। रात करीब 7-30 बजे उसने सब्जी गैस पर रखी। सिलेंडर लीकेज होगा, जिस पर उसका ध्यान नहीं गया। गैस चूल्हे को जलाते ही आग लग गई। इसी दौरान चूल्हे का पाइप निकल गया। इससे सिलेंडर में भी आग लग गई और पत्नी उसकी चपेट में आ गई।

मुद्दा विहीन समझ आ रहा है इस दफा लोकसभा का चुनाव..?

मतदाता किस मुद्दे पर वोट डालने जाए मंदिर बन गया उसे मामले में या 370 हट गई उसे लेकर ..?

संजीव डे राय

नर्मदापुरम। 17 लोकसभा चुनाव के लिए आज दूसरे चरण का मतदान है पर, चुनाव को लेकर आम मतदाताओं में जो उमंग और उत्साह होना चाहिए वह दिखाई नहीं पड़ा अलबत्ता जिला प्रशासन मतदान जागरूकता को लेकर उत्साहित जरुर है। होने वाले चुनाव में जिस उत्साह से मतदान होना चाहिए आखिर वह उत्साह लोगों में दिखाई नही दे रहा क्यों.. एक सर्वे के अनुसार मतदाताओं के मन में स्थानीय मुद्दे ज्यादा प्रभावशील दिखाई पड़ते है। ऐसा लगा मानों मतदाताओं को यह ठीक से मालूम नहीं हो पाया कि लोकसभा और विधानसभा दो अलग व्यवस्था है, खास कर युवा पीढ़ी जो बढ़ चढ़ कर चुनाव में हिस्सा लेती थी वह इस चुनाव में तो एक तरीके से पूरी तरह नदारत है। फिर जिस तरह से राजनीतिक पार्टियों में नेता पाला बदल रहे हैं उसने पार्टियों के युवाओं का उत्साह तोड़ दिया, मतदान के प्रति भी उनमें उत्साह कम दिखाई दे रहा है। मानों अब मतदान के प्रति अविश्वास आ गया हो.. अपने नेता के दूसरे पार्टी में जाने से उनका स्वाभिमान भी हिल गया, मतलब होने जा रहे चुनाव और वोट बैंक की राजनीति नए युवा समझ रहे है। पहले चरण के चुनाव में हुए कम मतदान को लेकर चुनाव आयोग तक सकते में आ गया। जिसने मतदान ज्यादा से ज्यादा हो इसे लेकर प्रशासन की नकेल कसी है और उसका परिणाम है कि नगरपालिका सहित जिला अस्पताल नई रणनीति के तहत वह सब कर गुजरने को तैयार हैं जिससे मतदान का प्रतिशत कम नहीं हो। जिला अस्पताल ने सभी बूथों पर स्वास्थ्य सेवा संबंधी सभी सुविधाओं का इंतजाम कर रखा है जिसमें हार्ड पेशेंट तक को उपचार देने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही। 24 तारीख में निकाले आदेश में साफ तौर पर यह बताने की कोशिश की गई है कि पूरे जिले में किसी भी तरह से चुनाव में तैनात कर्मचारियों को किसी तरह स्वस्थ संबंधी परेशानी नहीं हो... स्वस्थ्य के प्रति एलर्ट रहने के नुस्खे और क्या नहीं करे इसे लेकर भी समझाइश दी गई है। इधर किसान अपनी फसल और मंडी में पड़े गेंहू की चिंता में परेशान है। बदलते मौसम की मार साथ ही मूंग की खराब हो रही फसल से वह परेशान हैं। गेंहू खरीदी भी धीमी रफ्तार से चल रही है अपनी साल भर की मेहनत को बचाने में वह लगा है। इस चुनाव में एक तरह से नेताओं की भांति फिर मौसम भी जल्दी जल्दी बदल रहा है नगर के लोग गर्मी की तपन के कारण वैसे भी घर से नही निकलना चाहते है। लंबे समय से बंद शादियों का भी फिर मौसम चल रहा है लोग खरीददारी भी कर रहे है। संकट में पड़े व्यापार को संभालने की कोशिश कर रहा व्यापारी अपनी दुकान नहीं छोड़ना चाहता ऐसे में अब देखना है कितने प्रतिशत वोट जिले में पड़ते है। फिर देखा जाय तो पूर्व मुख्यमन्त्री शिवराज सिंह चौहान के जाने बाद लोगों में थोड़ा उत्साह भी कम है वरना शिवराज का दौरा उत्साह भर देता था। स्थानीय चारो विधायको ने अपने अपने क्षेत्र में प्रचार किया जरूर है वो कितना पर्याप्त है यह परिणाम के बाद पता चलेगा। आखिर में एक सवाल यह भी है कि चुनाव में मुद्दा क्या होना चाहिए इसका अता पता नही मतदाता ठीक से समझ नही पा रहे है कि किस मुद्दे पर वह वोट डालने जाए मंदिर बन गया उस मामले में या 370 हट गई उसे लेकर..?

कक्षा दसवीं एवं 12वीं में जिला प्रदेश में अव्वल

प्रदेश का सबसे अच्छा परीक्षा परिणाम रहा नरसिंहपुर जिले का

नरसिंहपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा 10 वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें एक और जहां कक्षा दसवीं का मध्यप्रदेश का परिणाम 58.10 प्रतिशत रहा जिसमें जिले का परीक्षा परिणाम 80.51 प्रतिशत है। हायर सेकेंडरी बारहवीं का प्रदेश का परिणाम 64.48 प्रतिशत रहा, जिसमें नरसिहपुर जिले का 81.53 प्रतिशत है। गत वर्ष सत्र 2022/2023 में भी नरसिंहपुर जिला प्रदेश में कक्षा दसवीं, बारहवी के परिणाम में अव्वल रहा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा परिणाम में जिले के छात्र छात्राओं द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रसन्नता व्यक्त कर छात्र छात्राओं, पालकों एवं शिक्षा विभाग की टीम को शुभकामनाएं दी। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एचपी कुर्मी, एडीपीसी रमसा श्री अनिल व्योहार, योजना अधिकारी श्री जीके नायक द्वारा कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दलीप कुमार से मिलकर प्रदेश में जिले के परीक्षा परिणाम से अवगत कराते हुए प्रदेश में अव्वल आने पर बधाई दी।माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश बोर्ड परीक्षा 2024 परिणाम की स्टेट मेरिट में स्थान पाने वाले उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के बच्चों को जिले के कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा सम्मानित किया।

प्रदेश की मेरिट सूची में जिले के छात्र-छात्राओं ने दर्ज किए अपने नाम

कक्षा दसवीं से गर्वित गुप्ता उत्कृष्ट विद्यालय नरसिहपुर, प्रज्ञा पटेल खजांची रामकली बाई करेली, निलेश मेहरा स्कॉलर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल छेनाकछार लता मुढ़िया शंकराचार्य विद्या निकेतन झोतेश्वर, वंदना साहू उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर ने स्टेट मैरिट लिस्ट में शामिल हैं। कक्षा 12वीं में कला समूह से कुमारी निशा भारती नर्सिंग पब्लिक हाई स्कूल नरसिंहपुर, मिन्हाज बहना कन्या हायर सेकेण्डरी गाडरवारा, भाग्यश्री कुशवाहा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करेली बस्ती शामिल हैं। गीता लोधी, अंकिता पटेल क्रमशः उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर, यशराज कौरव, टीवीएन गाडरवारा, शिवानी विश्वकर्मा न्यू एरा पब्लिक हाई स्कूल गाडरवारा, जया गुर्जर टीवीएन गाडरवारा,आकाश पटेल ज्ञान भूमि पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोभी, दिव्यांशी मिश्रा टीवीएन गाडरवारा ने गणित समूह से मेरिट लिस्ट में शामिल हैं। गौरी जायसवाल टीवीएन गाडरवारा से वाणिज्य व जीव विज्ञान संकाय में सोहिल अहमद खान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करकबेल, स्तुति सोनी एसएनपीएस हायर सेकेण्डरी नरसिंहपुर से शामिल हैं।

जिला प्राधिकरण नरसिंहपुर द्वारा नशा उन्मूलन पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोषी के मार्गदर्शन में नालसा (नशा पीड़ितों के लिए विधिक सेवा) योजना 2015 अंतर्गत विधिक जागरूकता एवं साक्षरता षिविर का आयोजन दिनांक 24.04.2024 को केन्द्रीय विद्यालय नरसिंहपुर में किया गया। उक्त शिविर में सचिव/जिला न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर वैभव सक्सेना एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेश सक्सेना द्वारा छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव बताए गए साथ ही पॉक्सो एक्ट, गुड टच, बेड टच एवं अन्य विधिक जानकारियां प्रदान की गई। साथ ही शिविर में नालसा (बच्चो को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015 के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। उक्त अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री अरूण कुमार तुमसरे एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। उक्त शिविर के माध्यम से लगभग 50 छात्र व छात्रायें लाभांवित हुई। इसके साथ ही बंदियो हेतु केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में भी नालसा (नशा पीड़ितों के लिए विधिक सेवा) योजना 2015 अंतर्गत विधिक जागरूकता एवं साक्षरता षिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सचिव/जिला न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर वैभव सक्सेना एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेश सक्सेना द्वारा बंदियो को नशे के दुष्परिणाम के संबंध में अवगत कराया गया। शिविर में उपस्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे द्वारा भी नशे से दूर रहने हेतु बंदियो को प्रेरित किया। उक्त अवसर पर जिला प्राधिकरण नरसिंहपुर की पहल पर जिला चिकित्सालय व जेल विभाग के समन्वय से बंदियो हेतु टेली मेडीसिन ई-संजीवनी सेवा को अविलंब सक्रिय करने हेतु भी विचार विमर्ष किया गया। टेली मेडीसिन ई-संजीवनी सेवा को आवश्यक तैयारियों के साथ दिनांक 29.04.2024 से सक्रिय करने हेतु कार्यवाही प्रारंभ की गई। उक्त शिविर में सहायक जेल अधीक्षक श्री आशीश खरे, जेल स्टाफ, पीएलव्ही व बंदीगण उपस्थित रहे। षिविर के माध्यम से लगभग 75 बंदी लाभांवित हुये।

म.प्र.में अगले 2 दिन बारिश का अनुमान

भोपाल, इंदौर समेत 32 जिलों में आज अलर्ट, फिर बढ़ेगा गर्मी का असर

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 2 दिन 25 और 26 अप्रैल को बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के 32 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले बुधवार को भी कई जिलों में मौसम बदला रहा। बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, मंडला, सिवनी, बालाघाट, डिंडोरी, अनूपपुर, शहडोल, सीधी और सिंगरौली जिलों में गरज-चमक और हल्की बारिश की स्थिति बनी रही। आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से प्रदेश में ऐसा मौसम है। 26 अप्रैल से एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस आ रहा है। सिस्टम के लौटने के बाद गर्मी का असर बढ़ेगा।

कब-कहां बारिश के आसार

25 अप्रैल- भोपाल, इंदौर, अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी, धार, रतलाम, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, उज्जैन, शाजापुर, देवास, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, हरदा, सीहोर, विदिशा, गुना, श्योपुरकलां, मुरैना, शिवपुरी, सागर, दमोह, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, नर्मदापुरम और रायसेन जिलों में।

26 अप्रैल- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी, धार, रतलाम, आगर-मालवा, राजगढ़, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, सीहोर, विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, कटनी, दमोह, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, देवास, शाजापुर जिलों में।

27 अप्रैल को बादल छाएंगे

प्रदेश में 27 अप्रैल को बारिश होने का अभी अलर्ट नहीं है, लेकिन बादल छाए रहेंगे। इनमें आगर-मालवा, राजगढ़, गुना, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, जबलपुर, डिंडोरी, मंडला और बालाघाट जिले शामिल हैं।

अप्रैल में 11 दिन तक का रिकॉर्ड बना: अप्रैल में बारिश के कई रिकॉर्ड टूटे। भोपाल में करीब पौने 2 इंच बारिश हो गई। वहीं, अप्रैल में लगातार 11 दिन तक बारिश होने का रिकॉर्ड भी बना है। 7 अप्रैल से 17 अप्रैल तक प्रदेश में लगातार बारिश हुई है।

26 अप्रैल को प्रातः 7 से सायं 6 बजे तक होगा मतदान

नरसिंहपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के तहत होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र नरसिंहपुर, तेंदूखेड़ा व गाडरवारा में 26 अप्रैल को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान किया जाएगा। इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। मतदान से पूर्व प्रातः 5:30 बजे सभी मतदान केन्द्रों में मॉकपोल किया जाएगा। मतदान के लिए जिले के अंतर्गत आने वाली तीन विधानसभा क्षेत्रों के बूथ के लिए सामग्री का वितरण 25 अप्रैल को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर से प्रातः 07 बजे से किया जाएगा।

जिले में 45 पिंक बूथ और कुल 710 मतदान केन्द्र

लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद के लिए जिले में कुल 710 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं, जिसमें 45 पिंक बूथ और 2 सहायक मतदान केन्द्र शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र 119- नरसिंहपुर में 15 पिंक बूथ समेत 258 मतदान, 120- तेंदूखेड़ा में 15 पिंक बूथ सहित 222 मतदान केन्द्र और 121- गाडरवारा में 15 पिंक बूथ, 2 सहायक मतदान केन्द्र समेत 230 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। इसके अलावा जिले में 8 शेडो एरिया मतदान केन्द्र हैं, जिसमें विधानसभा नरसिंहपुर में 3, तेंदूखेड़ा में 3 व गाडरवारा में 2 शेडो एरिया मतदान केन्द्र हैं। इनमें नरसिंहपुर के 128 मतदान केन्द्रों में, तेंदूखेड़ा के 139 मतदान केन्द्रों और गाडरवारा के 142 मतदान केन्द्रों में वेबकास्टिंग होगी। मतदान केन्द्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सभी मतदान केन्द्रों में मतदाताओं के लिए छाया तथा पेयजल की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही सभी केन्द्रों में रैम्प, व्हीलचेयर, बिजली, पेयजल, शौचालय सहित मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपैट की जानकारी

लोकसभा निर्वाचन 2024 तहत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद के लिए जिले में कुल 710 मतदान केन्द्र और 2 सहायक मतदान केन्द्र हैं। इसके अंतर्गत विधानसभा नरसिंहपुर के 258 मतदान केन्द्रों में रिज़र्व सहित 309 ईव्हीएम व 335 व्हीव्हीपैट, तेंदूखेड़ा के 222 मतदान केन्द्रों में 266 ईव्हीएम व 288 व्हीव्हीपैट और गाडरवारा के 230 मतदान केन्द्रों में 276 ईव्हीएम व 299 व्हीव्हीपैट मशीनों का उपयोग मतदान के लिए किया जायेगा।

जिले की तीन विधानसभा में कुल 6 लाख 39 हजार 875 मतदाता: जिले की तीन विधानसभा में कुल 6 लाख 39 हजार 875 मतदाता, जिनमें 3 लाख 30 हजार 111 पुरूष, 3 लाख 9 हजार 753 महिला एवं 11 अन्य मतदाता शामिल हैं, जो अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे।विधानसभा क्षेत्र 119- नरसिंहपुर में एक लाख 19 हजार 544 पुरूष, एक लाख 14 हजार 452 महिला व 5 अन्य मतदाता समेत कुल दो लाख 34 हजार एक मतदाता, विधानसभा क्षेत्र 120- तेंदूखेड़ा में 98 हजार 592 पुरूष, 91 हजार 878 महिला व 2 अन्य मतदाता समेत कुल एक लाख 90 हजार 472 मतदाता और विधानसभा क्षेत्र 121- गाडरवारा में एक लाख 11 हजार 975 पुरूष, एक लाख 3 हजार 423 महिला व 4 अन्य मतदाता समेत कुल दो लाख 15 हजार 402 मतदाता हैं, जो अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र नरसिंहपुर में 173, तेंदूखेड़ा में 74 व गाडरवारा में 149 सर्विस वोटर्स हैं।

जिले में 80 प्लस आयुवर्ग के मतदाताओं की संख्या: संसदीय लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 17 होशंगाबाद के अंतर्गत 80 प्लस आयु वर्ग में विधानसभा क्षेत्र नरसिंहपुर में 4738, तेंदूखेड़ा में 4251 और गाडरवारा में 4413 मतदाता हैं।

दिव्यांग मतदाताओं की संख्या: 119 नरसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 1690 पुरूष व 1333 महिला सहित कुल 3023 दिव्यांग मतदाता, तेंदूखेड़ा के अंतर्गत 1346 पुरुष व 1021 महिला सहित कुल 2367 दिव्यांग मतदाता और गाडरवारा के अंतर्गत 1366 पुरुष व 1022 महिला सहित कुल 2388 दिव्यांग मतदाता हैं।

मतदाता पहली बार करेंगे मतदान

लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत लोकसभा संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद के तहत विधानसभा क्षेत्र 119 नरसिंहपुर के अंतर्गत 5817 मतदाता, 120 तेंदूखेड़ा के अंतर्गत 4995 मतदाता और 121 गाडरवारा के अंतर्गत 5644 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

क्रिटिकल मतदान केंद्र

लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र होशंगाबाद के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र 119-नरसिंहपुर अंतर्गत 12 शहरी 43 ग्रामीण सहित कुल 55 मतदान केंद्रों को क्रिटिकल मतदान केंद्र चिन्हित किया गया है। इसी प्रकार 120 -तेंदूखेड़ा के अंतर्गत 2 शहरी तथा 61 ग्रामीण सहित कुल 63 केंद्र और 121-गाडरवारा के अंतर्गत 16 शहरी 50 ग्रामीण सहित कुल 66 मतदान केंद्रों को क्रिटिकल मतदान केंद्र घोषित किया गया है।

कांग्रेस ने की 15 हजार फर्जी नाम जोड़ने की कम्प्लेन

- पीएम के भोपाल में रोड शो और हरदा की सभा को लेकर भी चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस ने लोकसभा सीट भोपाल के नरेला विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में 15 हजार से अधिक फर्जी वोटर्स के नाम जुड़े होने की शिकायत करते हुए चुनाव आयोग से जांच की मांग की है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से की गई शिकायत में कहा गया है कि ऐसी ही स्थिति दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में भी हो सकती है। इसलिए वोटिंग से पहले मतदाता सूची की जांच कराई जाना चाहिए ताकि फर्जी वोटिंग न हो सके। इसके अलावा 24 अप्रेल को पीएम नरेंद्र मोदी के हरदा में चुनावी सभा और भोपाल में हुए रोड शो के मामले में भी कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत की है। कांग्रेस के प्रभारी चुनाव आयोग कार्य जेपी धनोपिया और पूर्व विधानसभा नरेला प्रत्याशी मनोज शुक्ला ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय पहुंचकर शिकायत की है। इसमें कहा गया है कि विधानसभा चुनाव 2023 में भी मतदाताओं के नाम दो-दो स्थानों पर होने की शिकायत की गई थी लेकिन सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई।

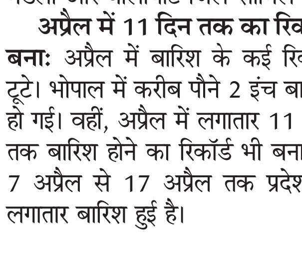

परिक्रमा

चुनावी फिजा को मोदीमय बनाने का प्रयास

अरुण पटेल

लेखक सुबह सवेरे के प्रबंध संपादक हैं।
संपर्क-
09425010804
07999673990

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इन दिनों मध्यप्रदेश में चुनावी दौरे सघन हो गये हैं और बुधवार 24 अप्रैल को उन्होंने एक साथ सागर, हरदा और भोपाल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर यहां के माहौल को पूरी तरह मोदी और भगवामय करने का पूरा-पूरा प्रयास किया। जिस प्रकार से जनसैलाब उमड़ा और गर्मजोशी के साथ प्रधानमंत्री की अगवानी की गयी उसको देखकर यह कहा जा सकता है कि राजनीतिक फिजा को भाजपा के पक्ष में बनाने में एक बड़ी सीमा तक वे सफल रहे।

जहां उन्होंने सागर और हरदा में रैलियों को सम्बोधित किया तो वहीं दूसरी ओर भोपाल में रोड-शो कर अधिक से अधिक लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाने का प्रयास किया। जहां सभाओं में उनके निशाने पर इंडिया गठबंधन रहा और उसमें भी खासकर कांग्रेस तो वहीं भोपाल में ट्वीट के माध्यम से उन्होंने कहा कि मेरे परिवारजनों का जोश और उत्साह न सिर्फ भोपाल का बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का मूड बता रहा है कि सबकी पहली पसंद भाजपा ही है। जनता जनार्दन आज उस पार्टी और सरकार के लिए वोट करने जा रही है जो विश्वास को समर्पित है। लोगों ने विपक्ष को पूरी तरह से नकार दिया है क्योंकि वह केवल वोट बैंक की राजनीति में डूबा हुआ है।

मोदी ने भोपाल में जहां 27 मिनट में 1.04 किमी का रोड-शो किया तो वहीं सागर में 26 मिनट और हरदा में 33 मिनट भाषण दिये। कांग्रेस पर तीखा निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस नीत गठबंधन के पास पीएम फेस नहीं है, वन ईयर वन पीएम का फार्मूला बना रहे हैं और कांग्रेस पिछले दरवाजे से अपने खास वोट बैंक को आरक्षण देना चाह रही है। हरदा की सभा में शिवराज सिंह चौहान

को उम्मीदवार बनाने के बारे में उन्होंने साफ कहा कि 7 मई को तीसरे चरण का मतदान है और विदिशा से हमारे उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान हैं, शिवराज और मैं संगठन में साथ काम करते थे, जब शिवराज मुख्यमंत्री थे तब मैं भी मुख्यमंत्री था, जब शिवराज पार्लियामेंट में थे तब मैं महामंत्री के नाते साथ काम करता था अब मैं फिर उन्हें अपने साथ ले जाना चाहता हूं। 400 पार सीटों के नारे के बारे में उन्होंने कहा कि कांग्रेस आरक्षण लूटने का खेल खेल रही है और इसके मंसूबे कभी सफल न हों तथा यह व्यवस्था जड़ से ही खत्म हो जाये इसलिए 400 की भाजपा सरकार चाहिये ताकि एससी, एसटी आरक्षण पर कोई आंच न आने पाये। सेम पित्रोदा के विरासत टेक्स संबंधी बयान पर मोदी ने कहा कि कांग्रेस आपकी मेहनत की संपत्ति व कमाई को बच्चों को नहीं लेने देगी, तो वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हम करोड़ों लोगों को लखपति बनायेंगे।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार अभियान के आखिरी दिन कांग्रेस भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर काफी आक्रामक नजर आई और इसमें उसने अपनी पूरी ताकत लगा दी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री पर तीखे शाब्दिक हमले किये। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश के 25 लोगों को अरबपति बनाया है हम करोड़ों हिंदुस्तानियों को अरबपति बनायेंगे। साल का एक लाख और महीने के 8500 रुपये सीधे गरीब महिलाओं और शिक्षित युवाओं के खातों में टकाटक जायेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सामाजिक न्याय सम्मेलन में कहा कि बीते दस सालों में दलित, आदिवासी, बहुजन, अल्पसंख्यक व महिलाओं के साथ मोदी सरकार ने भारी नाइंसाफी की है। भाजपा नेता आरक्षण खत्म करने और संविधान को बदलने की धमकी दे रहे हैं, भाजपा भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है। राहुल गांधी के निर्वाचन क्षेत्र वायनाड में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को सुलझाने में विफल रही है। उन्होंने मोदी को महंगाई मैन निरुपित करते हुए कहा कि पेट्रोल-डीजल भाव बेतहाशा बढ़ गये हैं। इस प्रकार की जुबानी जंग अभी और जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ेगा तीखी होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता।

सीएम डॉ. मोहन यादव झाबुआ पहुंचे

भाजपा प्रत्याशी अनीता चौहान का नामांकन जमा कराया

झाबुआ (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को झाबुआ पहुंचे। यहां पर उन्होंने झाबुआ, रतलाम और अलीराजपुर विधानसभा की लोकसभा सीट झाबुआ-रतलाम सीट की भाजपा प्रत्याशी अनीता चौहान की नामांकन जमा कराया। इसके बाद सीएम डॉ. यादव ने नगर में आयोजित हुई रैली में शामिल हुए। सीएम यादव के साथ भाजपा के कई नेता यहां पर मौजूद रहे। वहीं तीनों जिलों से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता झाबुआ पहुंचे।

डिप्रेशन में आकर छात्र ने फांसी लगाकर जान दी

• **परिजन बोले-मैथेमेटिक्स में सप्लीमेंट्री आने पर बेटे ने फांसी लगाई**

बुरहानपुर (नप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बुधवार शाम को 10वीं और 12वीं वार्षिक परीक्षा परिणाम बुधवार को घोषित हुआ। रिजल्ट आने के बाद कहीं खुशी तो कहीं नाराजगी दिखी। इसी बीच शहर की निजी स्कूल इम्पिरियल अकादमी में पढ़ने वाले कक्षा 12वीं के छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। दरअसल,18 वर्षीय छात्र को मैथेमेटिक्स में सप्लीमेंट्री आने से वो डिप्रेशन था। इसकी के तनाव में बुधवार रात उसने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह जिला अस्पताल में उसका पोस्टमार्टम हुआ। रितेश के परिजन बात करने की स्थिति में नहीं हैं। उनके एक रिश्तेदार ने बताया रितेश को एक विषय में सप्लीमेंट्री आने पर उसने यह कदम उठाया। सुबह परिजन ने जब बेटे को फांसी पर लटकता देखा तो दंग रह गए। पुलिस को सूचना दी गई। जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद दोपहर में शव परिजन को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जेईई मेंस का रिजल्ट घोषित

भोपाल के ऋषि सोनगिरकर ने पाई 642वीं रैंक और रथर्व ने पाई 676वीं रैंक

भोपाल (नप्र)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बुधवार को इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन सत्र 2 के लिए परिणाम जारी कर दिए। यह परिणाम 24 अप्रैल की देर रात तकरीबन 11 बजकर 30 मिनट परजारी कर दिया। वे उम्मीदवार जिन्होंने इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए जॉइंट एंट्रेंस टेस्ट मेन्स सेशन-2 दिया था ऑफिशियल वेबसाइट jeemain.nta.ac.in पर अपना स्कोर कार्ड देख सकते हैं।इस बार जेईई मेन्स के अप्रैल सेशन के लिए सामान्य श्रेणी का कटऑफ परसेंटाइल 2023 की तुलना में 2.45 अंक ज्यादा रहा। हालांकि, सामान्य श्रेणी के लिए चुने गए छात्रों की संख्या पिछली बार से 1261 कम है। इस बार जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालिफाइंग परसेंटाइल पांच साल का सबसे ज्यादा रहा है। इस लिस्ट में अभी तक भोपाल से 99.97 पर्सेंटाइल के साथ ऋषि सोनगिरकर 642 रैंक हासिल की है, इसके अलावा 99.96 पर्सेंटाइल के साथ रथर्व राठौर ने 676वीं रैंक हासिल की है, बताया जा रहा है कि रथर्व इससे पहले वहीं भव्य पवार ने 99.9 पर्सेंटाइल, शिरीष महेश्वरी ने 99.61, वरुण शर्मा ने 99.49, सार्थक कुमार जैन ने 99.31 और अंकन देवनाथ ने 99.2 पर्सेंटाइल हासिल किए हैं।

धमाके से उड़ी गोदाम की छत, आसपास के घर दरके

• **जबलपुर में 5 किमी दूर तक सुनाई दी गूंज; मौके से शव और बम के खोखे मिले**

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में एक कबाड़खाने के गोदाम में तेज धमाका हुआ। गूंज 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। लोगों का कहना है कि उन्हें पहले लगा कि भूकंप आया है। घरों से बाहर निकले तो गोदाम से आग का गुबार उठ रहा था। घटना खजरी-खिरिया बाइपास के पास बुधवार दोपहर 12 बजे की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोनाली दुबे और आधारताल थाने से बल मौके पर पहुंचा। फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस को भी बुलाया गया। मलबे से एक शव बरामद हुआ है। पहचान कराई जा रही है। बम के खोखे भी मिले हैं। कबाड़खाने का मालिक शमीम फरार है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, घटनास्थल पर आग फैली हुई है। पूरा क्षेत्र गर्म है। फायर ब्रिगेड की टीम कूलिंग का काम कर रही है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। धमाके से आसपास के घरों की दीवारों तक में दरारें आ गई हैं। जबलपुर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना, नगर निगम आयुक्त प्रीति यादव भी मौके पर पहुंचीं। कलेक्टर ने बताया कि बड़ा विस्फोट हुआ है। गोदाम की छत उड़ गई है। आसपास के घरों की दीवारें दरक गईं।

हिस्ट्रीशीटर का है गोदाम

गोदाम शमीम कबाड़ी का है। वह हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। पुलिस ने कुछ महीने पहले ही उसके बाइपास स्थित अवैध रूप से बने आलीशान मकान को तोड़ने की कार्रवाई की थी। संदेह जताया जा रहा है कि आयुध निर्माणी खमरिया से लाए गोला बारूद या फिर लोहा काटने वाले गैस सिलेंडर में लगी आग के कारण हादसा हुआ होगा। जांच के लिए एफएसएल और बीडीएस की टीम भी मौके पर बुलाई जा रही है।

स्क्रैप मटीरियल से ब्लास्ट की आशंका

कबाड़खाना 5 हजार स्क्वायर फीट एरिया में फैला हुआ है। यह कबाड़खाना जिस जमीन पर बना है, वो सरकारी है या निजी, इसकी जांच के लिए आधारताल तहसीलदार और पटवारी को कहा गया है। शमीम कबाड़ी और उसके गुर्गे इस कबाड़खाने को लंबे समय से संचालित कर रहे थे। मौके से बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा संस्थान ओएफके में बनने वाले बम के खोखे भी मिले हैं। पूछताछ के दौरान कबाड़खाने में काम करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि बम के स्क्रैप नीलामी में आयुध निर्माणी फैक्ट्री से खरीदे गए थे। मौके पर 200 से अधिक बम के खोखे मिले हैं।

स्थानीय लोग बोले- सिलेंडर फटा

खजरी - खिरिया बाइपास में रहने वाले मनीष कुमार ने बताया कि धमाका सुनकर लगा कि मानों भूकंप आ गया हो। जान बचाकर हम सभी घर के बाहर निकले। सामने देखा तो कबाड़खाने में आग लगी थी। ब्लास्ट गैस सिलेंडर में आग लगने से समझ में आ रहा है। मनीष ने बताया कि धमाके की गूंज शहर के पनागर, आधारताल, गोहलपुर, महाराजपुर और कंचनपुर तक सुनाई दी है।

लोकसभा निर्वाचन-2024

छह लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में आज मतदान

• **सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा मतदान**

भोपाल (नप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 के दूसरे चरण में प्रदेश के छह लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में शुक्रवार, 26 अप्रैल को मतदान होगा। लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र.-6 टीकमगढ़ (अजा), क्र.-7 दमोह, क्र.-8 खजुराहो, क्र.-9 सतना, क्र.-10 रीवा एवं क्र.-17 होशंगाबाद में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। मतदान सम्पन्न कराने के लिये सभी मतदान दल अपने-अपने मतदान केन्द्रों तक पहुंच गये हैं। मतदान केन्द्र पहुंचने पर मतदान कर्मियों का पुष्पहारों से स्वागत किया गया।

मतदान दिवस को रहेगा अवकाश

मतदाताओं की सुविधा के लिये दूसरे चरण के उपरोक्त छह लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में मतदान दिवस (26 अप्रैल) को सार्वजनिक तथा सामान्य अवकाश रहेगा। राज्य शासन ने संबंधित क्षेत्रों में मतदान के दिन निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 25 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सार्वजनिक अवकाश तथा सामान्य अवकाश घोषित किया है।

वोटर टर्न-आउट एप एवं सीईओ एमपी की वेबसाइट से नागरिक ले सकेंगे मतदान प्रतिशत की जानकारी: मतदान के दिन (26 अप्रैल को) भारत निर्वाचन आयोग के वोटर टर्न आउट एप और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश की वेबसाइट पर मतदान प्रतिशत की अद्यतन जानकारी उपलब्ध रहेगी। इसके माध्यम से नागरिक हर दो घंटे में दर्ज हुए मतदान प्रतिशत के बारे में जानकारी ले सकेंगे। वोटर-टर्न आउट एप नागरिकों को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर डाउनलोड करना होगा।

13 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज दिखाकर मतदाता कर सकेंगे मतदान

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के दूसरे चरण के लिये मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची वितरित की गई है। क्यूआर कोड युक्त मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का नाम, पता, क्रमांक, निर्वाचक नामावली में मतदाता क्रमांक राज्य और जिले का हेल्पलाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगे। श्री राजन ने बताया कि यदि किसी मतदाता के पास मतदाता सूचना पर्ची नहीं है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो 13 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज दिखाकर मतदाता मतदान कर सकेंगे।

यह हैं 13 वैकल्पिक दस्तावेज

फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, पेन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) में से कोई भी एक दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकते है। उन्होंने सभी मतदाताओं से उत्साह के साथ मतदान करने का आग्रह किया है।

उज्जैन में सचिन पायलट बोले -

भाजपा में बौखलाहट, इन्हें 'म-म' खेलने का शौक

• **ये मंदिर-मस्जिद करते हैं, देश में बदलाव का माहौल**

उज्जैन (नप्र)। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने उज्जैन में कहा, देश में बदलाव का माहौल है। वही वादे और आश्वासन से लोग ऊब गए हैं। पहले चरण के चुनाव के बाद भाजपा के नेताओं के भाषण में बौखलाहट और गुस्सा दिखाई दे रहा है। भाजपा नेताओं को 'म-म' शब्द का खेल करने का बहुत शौक है। ये बात करते हैं मुसलमान-हिंदू की, मंदिर-मस्जिद की, मंगलसूत्र की। पायलट उज्जैन-आलोट लोकसभा सीट से प्रत्याशी महेश परमार के समर्थन में आए। चुनावी सभा में उन्होंने कहा, सरकार बनाने के लिए 272 सांसद चाहिए होते हैं। भाजपा को 400 सांसद क्यों चाहिए? कहीं न कहीं इनके जेहन में ये बात है, जो खुद इनके नेता बोलते हैं और आज मजबूरन भाजपा के शीर्ष नेताओं को खुले मंच से खंडन करना पड़ रहा है कि हम संविधान से छेड़छाड़ नहीं करेंगे, हम आरक्षण से छेड़छाड़ नहीं करेंगे। आपको खंडन की नौबत ही क्यों पड़ी है? 400 पार तो 1984 में राजीव गांधी के सांसद आए थे, कभी उन्होंने बोला कि विपक्ष खत्म कर दूंगा।

बाबा रामदेव ने 30 रु. कहा, पेट्रोल 100 रु./ लीटर करा दिया

मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, नजारा बता रहा है कि वक्त बदलने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किए गए वादों को 10 साल हो गए, इन 10 साल में क्या हुआ? 17 सरकारें गिराईं, 500 विधायक खरीदे, 200 सांसद दल-बदल हुए। काला धन स्विस बैंक से आना था, 15-15 लाख इसी से मिलने थे, इसकी तो लिस्ट नहीं आई, लेकिन एसबीआई की लिस्ट आ गई। उन्होंने कहा, बाबा रामदेव ने कहा था कि पेट्रोल 30 रु/लीटर करा दूंगा, 100 रु./लीटर करा दिया। मणिपुर में बहनों का वस्त्रहरण हो रहा है, पीएम मोदी ने ऐसा देश बना दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सवाल करते हुए कहा कि महाकाल लोक में हुए भ्रष्टाचार की जांच क्यों नहीं कराते।

पूर्व मंत्री यादव बोले- कमीशन खोर सरकार ने महाकाल को भी नहीं छोड़ा: पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने कहा, इस लोकसभा में कांग्रेस का सांसद बनने जा रहा है। मैं दावे से कहता हूं कि महागठबंधन की सरकार हम बनाने जा रहे हैं। ये कमीशनखोरों की सरकार है। इन्होंने बाबा महाकाल को भी नहीं छोड़ा। रीवा से भाजपा सांसद 30 प्रतिशत कमीशन लेते हैं। रीवा सांसद ने 10 साल में 29 करोड़ रुपए कमीशन खाया है। हर काम का फिक्स रेट है।